संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

15वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-121 ◆ रायपुर, बुधवार 2 अक्टूबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

तिथि	अमावस्या
नक्षत्र	उ. फाल्गुनी
प्रथम करण	चतुष्पदा
द्वितीय करण	नागा
पक्ष	कृष्ण
वार	बुधवार
योग	ब्रह्मा
सूर्योदय	06.18
सूर्यास्त	18.01
चंद्रमा	कन्या
राहुकाल	12.10 13.38
विक्रमी संवत	2081
शक संवत	1946
मास	आश्विन
शुभ मुहूर्त	अभिजीत

सियानजनों की सेवा से मिलता है पुण्य और आशीर्वादः साय

बुजुर्गों के दुख-दर्द को समझें और उन्हें उनकी सेवा का भरोसा दिलाएः मुख्यमंत्री

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर आज सूरजपुर जिला मुख्यालय में सियान सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले के वृद्धजनों का शॉल, श्रीफ़ल से अभिनंदन कर शासन की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज वृद्धजनों के सम्मान का दिन है। उन्होंने कहा कि मैं सभी वृद्धजनों को प्रणाम करता हूँ और आप सभी से आग्रह करता हूँ कि आप वृद्धजनों की सेवा और सम्मान करें,उनके दु:ख दर्द को समझे और उन्हें अपने सेवाभाव से भरोसा दिलाए कि आप

उनके साथ हैं। माता-पिता और वृद्धजनों की सेवा से आपको पुण्य और आशीर्वाद मिलेगा, खुशी मिलेगी और उनके आशीर्वाद से आप अपने मुकाम तक पहुँच पाएंगे।

मुख्यमंत्री साय ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार सभी वर्ग के लिए योजनाएं संचालित कर रही है और योजनाओं का लाभ गरीब, मजदूरों, किसानों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 14 लाख से अधिक सियानो को छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके खाते में पेंशन की राशि दी जा रही है। वृद्धजनों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ ही उनके उपचार के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बजट में 70 वर्ष से अधिक उम्र के वृद्धजनों के लिए आयुष्मान कार्ड के माध्यम से नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की है। इसी कड़ी में हमने स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया है कि सभी वृद्धजनों का आयुष्मान कार्ड बनाकर उन्हें नि:शुल्क उपचार की सुविधा प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हर बुजुर्गों की इच्छा होती है कि वह अपने जीवनकाल में एक बार तीर्थ यात्रा जाएं, उनकी भावनाओं और आस्था को ध्यान रखकर हमारी सरकार ने अयोध्या में रामलला के दर्शन की व्यवस्था की है। रेल, बस के माध्यम से अयोध्या जाने और आने के अलावा भोजन, ठहरने की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस योजना से माता कौशल्या की धरती छत्तीसगढ़ के लोग अपने भाँचा राम का दर्शन करने जा पा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किसानों का भरपूर ख्याल रखा है। उनसे 3100 रुपए में 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी और दो साल का बकाया बोनस की राशि भी प्रदान की है। हमारी सरकार द्वारा सरगुजा से लेकर बस्तर तक के तेंदूपत्ता श्रमिकों को लाभान्वित करने के लिए तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा दर में वृद्धि कर 4000 से 5500 रुपए किया गया.

पीएम आवास के हितग्राहियों को बांटी खुशियों की चाबी

सूरजपुर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जिले के सभी जनपदों के एक-एक हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् आवास पूर्ण होने पर आवास की चाबी सौपी। जिले के भैयाथान, ओडगी, प्रतापपुर, प्रेमनगर, रामानुजनगर और सूरजपुर जनपद के पात्र हिताग्राहियो श्री संतोष कुमार पिता रामाशंकर, बृजलाल पिता बुधराम, श्री देवशरण पिता हीरा साय, श्री बीरसाय पिता बैजनाथ, श्रीमती सुखमनिया पति/पिता श्री लक्ष्मण, श्री बरातु पिता रंगु को आवास की चाबी सौंपी गई।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वैन का मुख्यमंत्री किया अवलोकन

मुख्यमंत्री साय ने सूरजपुर अग्रसेन स्टेडियम में अयोजित कार्यक्रम में सक्षम सूरजपुर अतंर्गत डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत् संचालित डिजिटल बस का अवलोकन किया। सक्षम सूरजपुर अंतर्गत जिले में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन वेन (डिजिटल बस) संचालन किया जा रहा है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 12 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के विद्यार्थियों को नि:शुल्क डिजिटल शिक्षा देने और बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ की तर्ज पर अब ओड़िशा में भी किसानों से होगी धान की खरीदी

ओड़िशा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्र के नेतृत्व में आया है अध्ययन दल

रायपुर। छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ओड़िशा में भी समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी। ओड़िशा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा के नेतृत्व में आए अध्ययन दल ने आज छत्तीसगढ़ में धान खरीदी व्यवस्था और पीडीएस सिस्टम का अवलोकन किया और इसकी तारीफ की। श्री पात्रा ने बताया कि अब छत्तीसगढ़ की तर्ज पर ओड़िसा में भी किसानों से समर्थन मूल्य के साथ-साथ अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के साथ धान की खरीदी की जाएगी। ओड़िसा के मुख्यमंत्री श्री मोहन मांझी ने पहले कैबिनेट की बैठक में ही इस संबंध में निर्णय लिया गया है। ओड़िसा के खाद्य मंत्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने कहा कि सरल और सहज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सुशासन की सरकार चल रही है। मुख्यमंत्री श्री साय की प्रशंसा करते हुए श्री पात्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति में खरा साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि ओड़िशा में भी भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने साय सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति अमल में लाई जाएगी।

ओड़िसा के खाद्य मंत्री श्री कृष्ण चंद्र पात्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ और ओड़िसा दोनों पड़ोसी राज्य है। डबल इंजन के सरकार के साथ दोनों राज्य तेज गति से विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर मंत्रियों द्वारा हमें हर संभव मदद के लिए आश्वस्त किया गया है। ओड़िसा में धान खरीदी व्यवस्था और पीडीएस सिस्टम में जहां-जहां कमी पाई जाएगी। छत्तीसगढ़ राज्य के सिस्टम का अनुकरण कर योजनाओं का और बेहतर ढंग से क्रियान्वयन किया जाएगा। श्री पात्रा ने कहा कि ओड़िशा में भी छत्तीसगढ़ की तर्ज पर धान खरीदी व्यवस्था लागू करने के लिए ओड़िशा का अध्ययन दल यहां आया है।

भारतीय सेना की ताकत और कौशल को करीब से देखने का सुनहरा मौकाः बिग्रेडियर आनंद

रायपुर। साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित सशस्त्र सैन्य समारोह के पूर्व आज पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में बिग्रेडियर अमन आनंद (विशिष्ट सेवा मेडल) एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने प्रेसवार्ता लेकर आयोजन की तैयारियों के बारे में जानकारी साझा की। बिग्रेडियर अमन आनंद ने कहा कि भारतीय सेना की ताकत और कौशल को करीब से देखने को मिलेगा। युवाओं को भारतीय सेना में शामिल होने और देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करने सशस्त्र सैन्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

आनंद ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से भारतीय सेना के कौशल एवं ताकत का प्रदर्शन देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करने एवं भारतीय सेना की शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन किया जाएगा। इससे लोगों के बीच राष्ट्रवाद और देशभक्ति को बढ़ावा मिलेगा और नागरिक-सैन्य संबंध मजबूत के बारे में भी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना से जुड़ने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे।

तीसरी आंख

तीसरे और आखिरी चरण के साथ ही जम्मू कश्मीर में खत्म हुआ मतदान नतीजे 8 को

जम्मू। तीसरे और आखिरी चरण के मतदान के साथ ही जम्मू-कश्मीर में वोटिंग की प्रक्रिया खत्म हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर चुनाव के नतीजे आठ अक्टूबर को आएंगे। तीसरे एवं अंतिम चरण के तहत मंगलवार को शाम पांच बजे तक 65.48 प्रतिशत मतदान हुआ। उधमपुर जिले में सबसे अधिक 72.91 प्रतिशत मतदान हुआ।

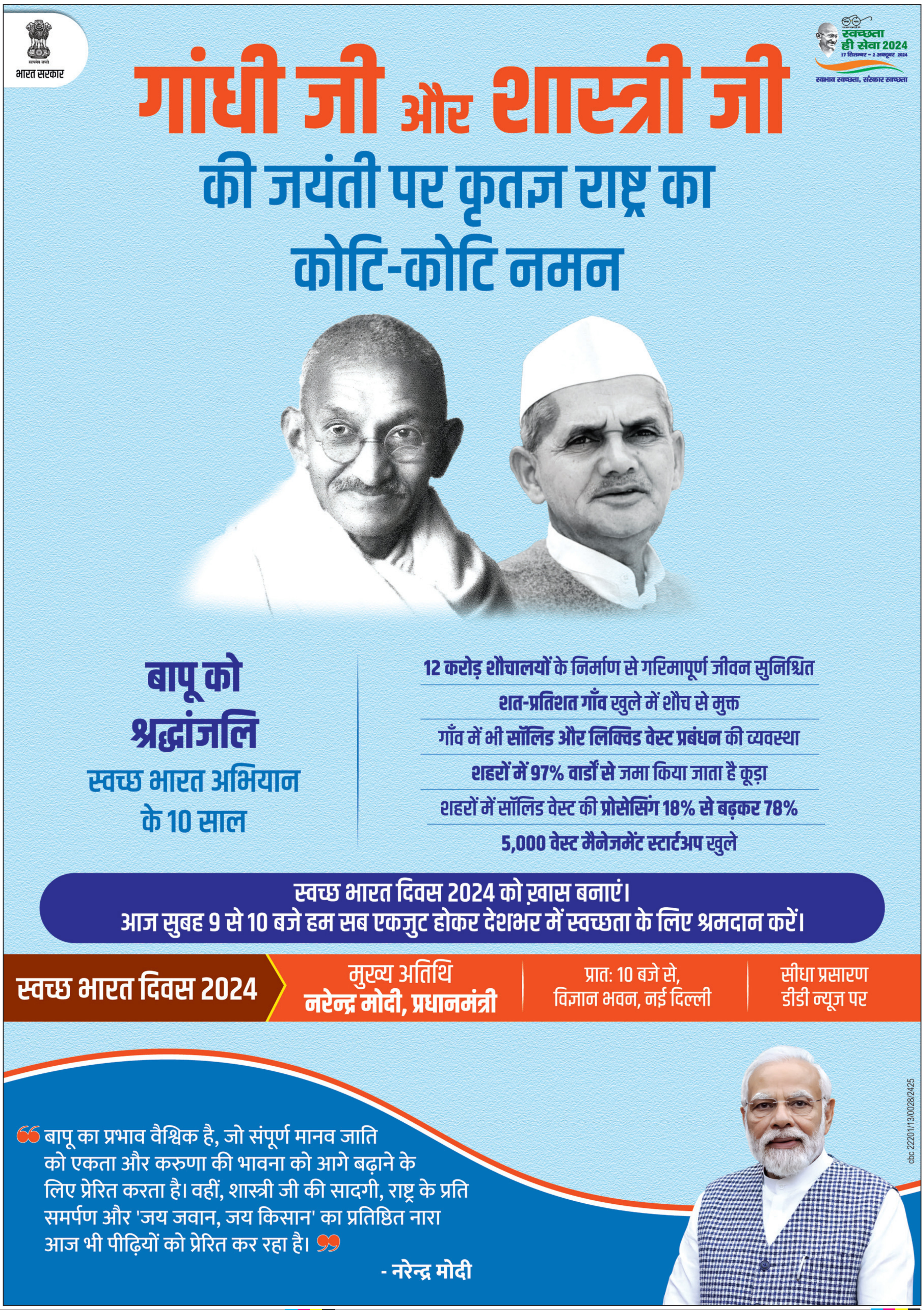

9 एकड़ के तालाब से 50 एकड़ खेत की सिंचाई

- धमतरी के कन्हारपुरी में प्रदेश का सबसे बड़ा अमृत सरोवर
- रेलवे के लिए खोदी मिट्टी और बन गया सबसे बड़ा सरोवर
- धमतरी जिले में जल संरक्षण को लेकर हुआ बड़ा काम, अब हो रहा जल-जगार महा उत्सव

धमतरी। कभी सूखे की समस्या की ओर बढ़ते धमतरी जिले में अब प्रदेश का सबसे बड़ा अमृत सरोवर बन चुका है, जो बारह महीने लबालब नजर आ रहा है। जिले के ग्राम कन्हारपुरी में निर्मित किए गए अमृत सरोवर को छत्तीसगढ़ प्रदेश का सबसे बड़ा अमृत सरोवर होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इस अमृत सरोवर (तालाब) को लेकर खास बात यह है कि जितनी लागत इस सरोवर बनाने में आयी, उससे अधिक आय पंचायत को हो गई। केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना के बाद जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर की जाने वाली कवायद की कड़ी में प्रशासन की पहल पर संसाधनों के बेहतर उपयोग से संभव हो पाया है। एक काम, दो काज की कहावत को चरितार्थ करते हुए यहाँ काम किया गया है। कन्हारपुरी में 9 एकड़ के क्षेत्रफल में बनकर तैयार हुए तालाब से जहाँ गाँव वालों की निस्तारी की समस्या का समाधान हुआ है तो दूसरी ओर लबालब रहने वाले इस अमृत सरोवर का पानी गाँव के 50 एकड़ की कृषि भूमि को सिंचित कर रहा है। इस तालाब की मिट्टी और मुरूम रेलवे पटरी बिछाने के लिए भी आधार बनी है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर से धमतरी के बीच ब्राडगेज रेलवेलाइन बिछाने का कार्य कर रहा है। इसके लिए रेलवे को मिट्टी और मुरूम की जरूरत थी। यह बात जिला प्रशासन तक पहुँची तो उन्होंने धमतरी जिले के कुरुद ब्लॉक अंतर्गत कन्हारपुरी से ही मिट्टी और मुरूम उपलब्ध कराने की पहल की। गाँव के मुरा तालाब में उस वक्त मनेरगा के तहत तालाब गहरीकरण का कार्य प्रस्तावित था। इस गहरीकरण कार्य के लिए 9 लाख 31 हजार का बजट रखा गया था। जिला प्रशासन ने रेलवे बोर्ड और कन्हारपुरी के पंचायत प्रतिनिधियों के बीच मध्यस्ता कर मुरा तालाब से ही रेलवे लाइन बिछाने के लिए आवश्यतानुसार मिट्टी और मुरूम निकालने का एग्रीमेंट कराया। पहले 6 एकड़ तक सिमटे तालाब का क्षेत्रफल बढ़कर 9 एकड़ तक हो गया। वहीं गहरीकरण के पूर्व कन्हारपुरी के मुरा तालाब की जलधारण क्षमता 32 हजार 400 घनमीटर थी, जो अब 57 हजार 800 घनमीटर हो चुकी है। पहले गहराई लगभग 10 फीट थी, वह अब 15 फीट है। बताते हैं कि गहरीकरण से भू-जल स्त्रोत के अन्य बंद पोर भी खुल गए तो लगातार अब भूमिगत जल भी तालाब को भरने लगा है।

मिट्टी के बदले रेलवे देगा 12 लाख- कन्हारपुरी से रेलवे लाइन के लिए मिट्टी और मुरूम निकालने के बदले में रेलवे बोर्ड ने एग्रीमेंट के तहत पंचायत को रायल्टी के रूप में करीब 12 लाख 20 हजार रुपये देगा। जिस राशि को पंचायत गाँव के अन्य विकास कार्य में लगाएगी।

जिले में 121 अमृत सरोवर पूर्ण, 19 का काम जारी- धमतरी जिल में मौजूद तालाबों को अमृत सरोवर का स्वरूप दिया जा रहा है, जहाँ गहरीकरण कर जलधारण क्षमता बढ़ाई जा रही है। वहीं आवश्यकता के आधार पर 8 नए अमृत सरोवर भी बनाए जा रहे हैं। इस तरह जिले में कुल 121 अमृत सरोवर प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें से 102 अमृत सरोवर में कार्य पूर्ण हो चुका है, वहीं 19 अमृत सरोवर पर काम जारी है। धमतरी जिले में अमृत सरोवर को ब्लॉक आधार पर देखें तो धमतरी ब्लॉक में 25, कुरुद ब्लॉक में 38, मगरलोड ब्लॉक में 29 एवं नगरी ब्लॉक में 29 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं।

108 अमृत सरोवर के जल से रुद्राभिषेक- धमतरी के रविशंकर जलाशय तट पर आगामी 5 व 6 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय जल सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है, जिसे जल-जगार महा-उत्सव का नाम दिया गया है। इस दौरान होने वाले अनेक भव्य कार्यक्रमों में रुद्राभिषेक का आयोजन भी शामिल है। इस जल रुद्राभिषेक में 108 अमृत सरोवरों के जल से रुद्राभिषेक किया जाएगा।

आवास निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा करें: सीईओ

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत, नम्रता जैन की अध्यक्षता में विभिन्न ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, स्वच्छ भारत एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में सीईओ जनपद पंचायत सुकमा व डिप्टी कलेक्टर मधु तेता सहित समस्त सीईओ जनपद पंचायत, समस्त एसडीओ आरईएस, पीओ मनरेगा, सब इंजिनियर आरईएस,समस्त एडीईओ विकास खण्ड समन्यवक, बीपीएम एनआरएलएम समस्त तकनीकी सहायक एवम समस्त ग्राम पंचायत सचिव सहित अन्य उपस्थित थे।

सीईओ ने जैन ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्माणाधीन और पूर्ण हो चुके आवासों की स्थिति की समीक्षा की गई और निर्देश दिए कि आवास निर्माण कार्यों को तेजी से पूरा किया जाए, ताकि सभी पात्र लाभार्थियों को समय पर आवास उपलब्ध कराए जा सकें और योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ के लिए कार्योजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। सीईओ ने मनरेगा के तहत पीडीएस भवन और आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखते हुए इन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाए। स्वच्छ भारत मिशन समीक्षा कर शौचालय निर्माण और स्वच्छता से संबंधित अन्य कार्यों की समीक्षा की गई। सभी संबंधित विभागों से रिपोर्ट मांगी और स्वच्छता कार्यों में और अधिक सुधार लाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका तहत ग्रामीण महिलाओं के स्व-सहायता समूहों की आर्थिक प्रगति और रोजगार सृजन के प्रयासों पर चर्चा की गई।

कैच द रैन अभियान: ग्राम पंचायत गोदेलगुढ़ा में जल रक्षा मिशन कार्यक्रम का आयोजन

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में एवं सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत कोन्टा अंतर्गत ग्राम पंचायत कोर्रापाड़ के आश्रित ग्राम गोदेलगुढ़ा में कैच द रैन अभियान के तहत जल रक्षा मिशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों और ग्रामवासियों ने पानी बचाने के संदेश के साथ एक जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से लोगों को जल संरक्षण के महत्व और पानी के दुरुपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही स्वच्छता और पानी बचाने के संबंध में शपथ भी दिलाई गई। दीवारों में नारे लिखकर लोगों को जल संरक्षण हेतु जागरूक किया गया। इस दौरान जल संरक्षण के विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई और जल की अनमोलता को समझाते हुए पानी के विवेकपूर्ण उपयोग की अपील की गई। कार्यक्रम में ग्रामवासियों की उत्साही भागीदारी से यह संदेश प्रसारित हुआ कि आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना बेहद जरूरी है। इस दौरान जल संरक्षण की शपथ लिया गया। कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पुसगुड़ा में हर घर जल उत्सव समारोह का आयोजन

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में व सीईओ जिला पंचायत नम्रता जैन के मार्गदर्शन में विगत दिवस को जल जीवन मिशन के अंतर्गत सुकमा जिले के विकासखंड कोटा के दूरस्थ व अंदरूनी क्षेत्र पंचायत मेहता के तहत ग्राम पुसगुड़ा में हर घर जल उत्सव समारोह का आयोजन ग्राम पंचायत सरपंच हिडमे कवासी, ग्राम पंचायत मुखिया एवं पटेल की उपस्थिति में ग्राम सभा प्रस्ताव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सौपा गया। कार्यक्रम में जल कर, सामुदायिक सहभागिता व स्वामित्व भावना से योजना का संचालन के साथ खास तौर पर वर्षाकालीन वर्षा जल संरक्षण कर सदूषण मुक्त शुद्ध पानी पीने के लाभों के बारे में शिक्षित किया गया। इसी प्रकार जल जीवन मिशन के अंतर्गत विकासखंड सुकमा के ग्राम गुफड़ी, पंचायत गुफड़ी में हर घर जल उत्सव समारोह का आयोजन ग्राम पंचायत सचिव सोमा मरकाम ,अध्यापक, रोजगार सहायक वार्ड पंच ग्राम पंचायत मुखिया व पटेल की उपस्थिति में ग्राम सभा प्रस्ताव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को सौपा गया।

दरभंगा के दो फर्जी साधु गिरफ्तार

मुंगेली। काला साया का भय दिखाकर 70 हजार रुपये नकद और सोने-चांदी के गहने ठगने वाले बिहार के दरभंगा के रहने वाले दो फर्जी साधुओं को जरहागांव पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उनके पास से पुलिस ने उनके पास से 70,000 रुपये नकद, चांदी की एक जोड़ी पायल, सोने की एक फुल्ली, और 9 मोबाइल फोन बरामद किए गए।

पुलिस ने बताया कि रौनाकापा निवासी वीर कुमार साहू के घर 28 सितंबर को दोपहर दो अज्ञात व्यक्ति साधु के वेश में आए और पूजा करने के बहाने ठगी कर भाग निकले। साहू ने पुलिस को बताया कि दोनों व्यक्ति उसकी पत्नी पुष्पा साहू को काला साया का डर दिखाकर पूजा करने की बात कहने लगे। उन्होंने सोने की एक फुल्ली, चांदी की एक जोड़ी पायल और 70,000 रुपये नकद ठग लिए। ठगी के बाद दोनों साधु फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू की। पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल और उप पुलिस अधीक्षक नवनीत पाटिल के मार्गदर्शन में एक विशेष टीम का गठन किया गया। मोबाइल लोकेशन के आधार पर आरोपियों की पहचान कर मुंगेली-लालपुर रोड से दोनों को गिरफ्तार किया गया।

पकड़े गए आरोपियों की पहचान मंजय लालदेव (37 वर्ष) और बिदुर कुमार लालदेव (35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बिहार के दरभंगा जिले के रहने वाले हैं। पूछताछ के दौरान दोनों ने रौनाकापा में पूजा करने के बहाने ठगी करने की बात कबूल कर ली। उनके पास से 70,000 रुपये नकद, चांदी की एक जोड़ी पायल, सोने की एक फुल्ली, और 9 मोबाइल फोन बरामद किए गए। जांच में यह भी सामने आया कि मंजय लालदेव ने सात महीने पहले बिलासपुर के ग्रामीण क्षेत्र में भी पूजा के नाम पर एक महिला से चांदी की पायल ठगी थी। उसे भी अब जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

ड्रायविंग लायसेंस बनाने ब्लॉक में आरटीओ कैम्प लगाएं: कलेक्टर

कांकेर। कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आज समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक लेकर विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही उनके निराकरण के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला मुख्यालय कांकेर की तर्ज पर ब्लॉक मुख्यालयों में भी ड्रायविंग लायसेंस बनाने हेतु शिविर आयोजित करने के निर्देश जिला परिवहन अधिकारी को दिए, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों में निवासरत युवाओं को लायसेंस बनवाने में सुविधा हो। जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज प्रात: 10.30 बजे से आयोजित समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सीजीएमएससी के द्वारा बड़ी संख्या में किए जा रहे निर्माण कार्यों की धीमी गति पर नाराजगी जाहिर करते हुए उन्हें शीघ्रता से पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी तरह बारिश के मौसम में खराब हो चुकी मरम्मत योग्य सड़कों का सुधार जल्द से जल्द संबंधित एजेंसी द्वारा कराए जाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के कार्यपालन अभियंता को निर्देशित किया। बैठक में कलेक्टर ने अपलेखन योग्य वाहनों की सही जानकारी नहीं देने पर नाराजगी जाहिर करते हुए अधिकारियों से कहा कि यदि भ्रमण के दौरान किसी कार्यालय परिसर में ऐसे वाहन नजर आए तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्ती से कार्यवाही की जाएगी। ठोस अपशिष्ट पदार्थ प्रबंधन की समीक्षा करते हुए न्यून प्रगति वाले विकासखण्ड के सीईओ को निर्देशित किया कि इसे गंभीरता से नहीं लेने वाले विकास विस्तार अधिकारियों एवं सहायकों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करें।

बस्तर ओलम्पिक 2024 खेल प्रतियोगिता के लिए पंजीयन 20 तक होगी

जगदलपुर। बस्तर ओलम्पिक हेतु पंजीयन प्रक्रिया 1 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक की जाएगी। इस आयोजन में अधिकाधिक लोगों की भागीदारी हो, इस हेतु व्यापक पंजीयन तथा अन्य आरम्भिक तैयारियां सुनिश्चित की जा रही है । बस्तर ओलम्पिक 2024 के तहत बस्तर संभाग के समस्त विकासखण्ड में 1 से 20 अक्टूबर 2024 तक खिलाड़ियों का पंजीयन किया जाना निर्धारित है, पंजीयन प्रक्रिया मेनुअल (ऑफलाईन) तथा ऑनलाईन दोनों माध्यम से किये जाने की सुविधा खिलाड़ियों की दी जा रही है। बस्तर ओलम्पिक 2024 ऑनलाईन पंजीयन गूगल लिंक जारी किया गया है। बस्तर ओलंपिक्स 2024 हेतु ऑनलाईन पंजीयन http://sportsyw.cg.gov.in से भी पंजियन करवाया जा सकता है।

बस्तर ओलम्पिक हेतु त्रिस्तरीय आयोजन विकासखण्ड, जिला एवं संभाग स्तर पर किया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए विकासखण्ड स्तरीय आयोजन की प्रस्तावित तिथि 1 से 10 नवम्बर, के मध्य एक दिवसीय, जिला स्तरीय आयोजन तिथि 10 से 22 नवम्बर, के मध्य अधिकतम 2 दिवसीय एवं संभाग स्तरीय आयोजन संभाग मुख्यालय जगदलपुर में तिथि 25 से 30 नवम्बर के 3 दिवसीय आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बस्तर ओलम्पिक 2024 के आयोजन बस्तर क्षेत्र के युवाओं को मुख्य धारा से जोड़ने, उनकी रचनात्मक एवं खेल प्रतिभा को निखारने, उन्हें अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने और बस्तर क्षेत्र की जनता का शासन से प्रत्यक्ष संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से बस्तर संभाग के समस्त जिलों में बस्तर ऑलम्पिक, 2024 खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। बस्तर ओलंपिक का मुख्य आयोजक विभाग गृह (पुलिस) विभाग तथा खेल-प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु खेल एवं युवा कल्याण विभाग नोडल होगा। इस आयोजन में विकासखण्ड स्तर से लेकर संभाग तक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एथलेटि, तीरंदाजी, बैडमिंटन, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, कराते, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल एवं रस्साकसी आदि खेलों के विभिन्न इवेंट्स सम्मिलित होंगे। यह प्रतियोगिता जूनियर एवं सीनियर वर्ग में आयोजित होगी। नक्साल हिंसा में दिव्यांग हुए प्रतिभागियों एवं आत्मसमर्पित पूर्व नक्सली सदस्यों को प्रोत्साहित करने हेतु उन्हें सीधे संभाग स्तर पर प्रतिभागिता सुनिश्चित कराई जाएगी।

विधायक साहू ने गरियाबंद के अनेक गांव का दौरा कर सैकडो लोगों को भाजपा की सदस्यता दिलाई

गरियाबंद। भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर राजिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोहित साहू ने मंगलवार को गरियाबंद क्षेत्र के अनेक गांव का दौरा कर लोगों को भाजपा से जोड़ते हुए सदस्यता दिलाई। सैकड़ो लोगों ने भाजपा की ऑनलाइन सदस्यता ली। पिछड़ी कमर जनजाति के लोग भी भाजपा से जुड़े। इस दौरान श्री साहू ने अनेक विकास कार्यों की घोषणा की। ग्राम भेजराड़ीह में एक आदिवासी महिला श्रीमती मिलनतीन बाई ध्रुव ने विधायक से गुहार लगाई कि उन्हें तो मृत घोषित कर दिया गया है, जबकि मैं जिंदा हूं, इसीलिए ग्राम पंचायत द्वारा राशन कार्ड नहीं बनाया जा रहा है, जबकि परिवार में मैं अकेली हूं, साहू ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत सीईओ जाफरी को निर्देश दिया कि 3 दिन के भीतर इनका राशन कार्ड बनाने के उपरांत ग्राम पंचायत के सचिव के खिलाफ जांच करने के निर्देश दिए हैं। साहू ने सदस्यता अभियान के तहत ग्राम बेहराबूड़ा, घटकूनवापारा, कस, सोहागपुर, गजईपुरी, इत्यादि ग्रामों में ऑनलाइन भाजपा की सदस्यता दिलाई। उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेजी से विकास हो रहा है, केंद्र और राज्य सरकार विकास कार्यों के लिए संकल्पित है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है, किसान मजदूर और महिलाओं को विकास कार्यों का सीधा लाभ मिल रहा है, महतारी वंदन योजना से महिलाएं खुश है। किसानों को धान का समर्थन मूल्य मिल रहा है.। भाजपा के जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सोन टेके ने ग्रामीणों से आग्रह किया कि राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत निर्माण को लेकर भाजपा से जुड़े। भाजपा की सदस्यता लेने को लेकर आम लोगों में उत्साह है, ऑनलाइन सहित ऑफलाइन सदस्य बनाए जा रहे हैं ।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य फिरतू राम कंवर ,रिखी राम यादव, मंडल महामंत्री धनंजय नेताम, आसिफ मेमन, श्रीमती तनु साहू, बिंदु सिंहा, पुष्पा साहू , प्रकाश सोनी खेम सिंह, संजू साहू ,अमित वखरिया, यश मिश्रा, नमन सेन, ड़गेश्वर दुबे, प्रतिमा विश्वकर्मा, दीपक साहू, भुवनेश्वर, देवेश्वर गजेंद्र, भागी साहू, गीतेश साहू, यशवंत साहू, सरपंच रविंद्र ध्रुव, विधायक प्रतिनिधि विजय कंडरा, राजू साहू, रामाधार साहू कोमल डी डी, रामजी साहू, प्रेमलाल, रोशन पुरी गोस्वामी, वंशगोपाल सिंहा, तुलाराम ठाकुर, रूप सिंह कमार इत्यादि उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम में नशा मुक्ति व स्वच्छता ही सेवा के तहत ली गई शपथ

सुकमा। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस प्रत्येक वर्ष 1 अक्टूबर को मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करना, उनके सम्मान और गरिमा को बनाए रखना और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। इस दिवस पर दुनिया भर में विभिन्न कार्यक्रम और आयोजन किए जाते हैं ताकि समाज में वृद्धजनों के प्रति सम्मान, संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ाई जा सके। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन में आज अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर शबरी आडिटोरियम भवन कुम्हाररास सुकमा में जिला स्तरीय आयोजित कार्यक्रम में वृद्धजनों को साल एवम् श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ जनों का श्रीफल व वॉकिंग स्टिक देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहित उपस्थित सभी वृद्धजन, नागरिकगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण व छात्र छात्राओं ने नशा मुक्ति एवं स्वच्छता ही सेवा के तहत शपथ ली गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धनीराम बारसे ने कहा कि वृद्धजनों का समाज में एक महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने अपने जीवनकाल में समाज, परिवार और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके अनुभव और ज्ञान हमारे लिए प्रेरणा का स्त्रोत हैं। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस का आयोजन हमें इस बात की याद दिलाता है कि वृद्धजन हमारे समाज के महत्वपूर्ण अंग हैं और उनकी देखभाल और सम्मान हमारी जिम्मेदारी है। वृद्धजनों के प्रति समाज में सम्मान और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना है। यह आयोजन उन्हें यह एहसास दिलाने का एक प्रयास है कि वे समाज के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं और उनके अनुभव और ज्ञान आज भी हमारी धरोहर हैं। अपर कलेक्टर गजेन्द्र सिंह ठाकुर ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर वृद्धजनों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने मानव के जीवन में हर कदम में वृद्ध जनों की महत्व को बताया। समाज कल्याण विभाग डीडी संजय पांडेण्य ने बताया कि शासन द्वारा वृद्धजनों के लिए विशेष योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

दैनिक
दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-07 ◆अंक- 356 ◆ बिलासपुर, बुधवार 2 अक्टूबर 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2017/75085 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आल छत्तीसगढ़ ड्रायविंग स्कूल की मीटिंग में यातायात को बेहतर बनाने पर हुई चर्चा

बिलासपुर। छतोंना रोड स्थित होटल द्वारका इन में ऑल छत्तीसगढ़ ड्रायविंग स्कूल की मीटिंग हुईं, जिसमें मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीरज चंद्राकर, बिलासपुर परिवहन अधिकारी आनंद रूप तिवारी, श्रीमती तिवारी, चकरभाटा थाना प्रभारी रविन्द्र अनंत शामिल हुए ,ड्रायविंग स्कूल एसोसिशन प्रदेशाध्यक्ष श्रीमति पिंकी शर्मा की अध्यक्षता मे कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसका उदेश्य ड्राइविंग स्कूल और यातायात को मिल कर काम करने पर चर्चा की गई। नीरज चंद्राकर के मार्गदर्शन मे यातायात को सुधारने और कम दुर्घटना हो इसकी बहुत सारी जानकारी दी गई, परिवहन अधिकारी तिवारी ने भी ड्राइविंग स्कूल को बेहतर बनाने और पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया

दो ग्रामीणों की जान लेने वाले घायल भालू की मौत

बिलासपुर। मरवाही वन मंडल में दो ग्रामीणों की जान लेने और पांच अन्य को घायल करने वाले भालू की कानन पेंडारी जू में उपचार के दौरान मौत हो गई। रविवार की रात गंभीर रूप से घायल इस भालू को जू में इलाज के लिए लाया गया था, जहां सोमवार रात को उसकी हालत बिगड़ गई और करीब 11 बजे उसकी मौत हो गई। वन विभाग के अनुसार, भालू की मौत उसके शरीर पर गहरे घावों की वजह से हुई, जो उसे ग्रामीणों द्वारा हमले के दौरान लगे थे। भालू पर चार स्थानों पर टांगी से हमले के निशान पाए गए थे, जो अत्यधिक घातक साबित हुए। जू के वन्य प्राणी चिकित्सक पीके चंदन ने भालू का इलाज किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हो सका।

रेस्क्यू के बाद उपचार के लिए लाया गया था जू- मरवाही वन मंडल के अधिकारियों ने भालू की आक्रामकता के चलते रेस्क्यू अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद रेस्क्यू टीम ने भालू को ट्रैंक्यूलाइजर गन से बेहोश किया और उपचार के लिए कानन पेंडारी जू भेजा। वहां रात 10-30 बजे उसकी हालत अचानक बिगड़ने लगी, लेकिन आधे घंटे के भीतर उसने दम तोड़ दिया।

पोस्टमार्टम के बाद होगा अंतिम संस्कार- जू के वन्य प्राणी चिकित्सालय में भालू का पोस्टमार्टम किया जा रहा है, जिसके बाद वन विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। भालू नर था और उसकी उम्र लगभग 9 से 10 वर्ष के बीच बताई जा रही है। वन विभाग की पूरी प्रक्रिया और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सके।

कलेक्टर ने मेडल जीतने पर पावर लिफ्टिंग खिलाड़ी कबीर को दी बधाई

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीतने पर खिलाड़ी कबीर करिहार को बधाई दी है। पावर लिफ्टर श्री करिहार ने कलेक्टर से आज उनके कक्ष में सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने अपनी 8 साल की खेल यात्रा की प्रमुख उपलब्धियों से अवगत कराया। इस दौरान उन्होंने 20 से ज्यादा मेडल जीते हैं। बिलासपुर के मंगला में 29 सितंबर को आयोजित प्रतियोगिता में उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल जीता है। प्रतियोगिता में लगभग 300 खिलाड़ी हिस्सा लिए । कलेक्टर ने कबीर की उपलब्धियों पर हर्ष व्यक्त करते हुए उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

त्योहारों के मद्देनजर मिठाई दुकानों का करें निरीक्षण

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने टीएल बैठक में लंबित मामलों एवं शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने आगामी दिनों में त्योहारों को देखते हुए मिठाई एवं खाद्य सामग्रियों की दुकानों का व्यापक निरीक्षण करने के निर्देश दिए। स्कूलों के आस-पास विशेष निगरानी रखकर नशा सामग्री बेचने वालों की धरपकड़ करने को कहा है। बैठक में नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ आरपी चौहान, डीएफओ सत्यदेव शर्मा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि कुछ स्कूलों में नशे का सामान बिकने की शिकायतें मिली है। कुछ युवा स्कूल के बाहर खड़े रहकर कैरियर के रूप में इसका विक्रय करते हैं। स्कूलों में गश्त के लिए बनी टीम इन पर निगरानी रखे और कठोर कार्रवाई करे। स्कूलों में अभी नहीं रोकेंगे तो बच्चों का भविष्य अंधकार हो जायेगा। उन्होंने कहा कि आगे त्योहारों का सिलसिला शुरू होने वाला है। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग मिठाईयां खरीदते हैं। उन्हें सड़ी-गली खाद्य सामग्री न मिले, इसलिए इस तरह की दुकानों का लगातार निरीक्षण करें। कलेक्टर ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन के लिए 31 अक्टूबर तक तिथि निर्धारित की गई है। सही तरीके से किसानों का पंजीयन हो जाए, इसे सजग होकर देखें। बाद में किसानों को धान बेचने में दिक्कत नहीं होने चाहिए। आवारा मवेशियों के प्रबंधन को लेकर पिछले सप्ताह हुए अच्छे काम के लिए अधिकारियों की पीठ थपथपाई। सशस्त्र सेना झण्डा दिवस पर सैनिकों के कल्याण के लिए दान करने अधिकारियों से अपील की। उन्होंने कहा कि कोटपा एक्ट के तहत कोई भी राजपत्रित अधिकारी चालानी कार्रवाई कर सकता है। सार्वजनिक स्थलों पर धुम्रपान करने पर कार्रवाई कर सकता है। इसके लिए हर कार्यालय में एक व्यक्ति को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

ओटिस इंडिया ने भारत माता स्कूल के छात्रों को सम्मानित किया

बिलासपुर। आधुनिकता के साथ आगे बढ़ने से सबसे अधिक नुकसान यदि किसी को पहुँचा है, तो पर्यावरण को।

यदि इसके समाधान पर विचार किया जाए, तो बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने से न सिर्फ नई पीढ़ी हरित भविष्य की संरक्षक बनकर खड़ी होगी, बल्कि पर्यावावैं भी तेज गति से बेहतर हो सकेगा।

इसे समझते हुए ओटिस इंडिया ने मेड टू मूव कम्युनिटीज़ ग्लोबल चैलेंज में छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित भारत माता हायर सेकेंडरी स्कूल के आठ छात्रों को सम्मानित किया। इन छात्रों ने गो-ग्रीन नामक प्रोजेक्ट के तहत पर्यावरण के अनुकूल यातायात समाधान प्रस्तुत किया।

ओटिस इंडिया के विशेषज्ञ मेंटर्स की मदद से, छात्रों ने हरे-भरे क्षेत्रों को बढ़ावा देने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने का प्रयास किया। इस प्रोजेक्ट में विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) का उपयोग किया गया।

ओटिस इंडिया के प्रेसिडेंट सेबी जोसेफ ने छात्रों की सराहना करते हुए कहा, हम इन प्रतिभाशाली छात्रों की मेहनत और सामाजिक भलाई के प्रति उनके जुनून का सम्मान करते हैं। इनका समाधान न केवल हरित क्षेत्रों की पहुँच को बढ़ाता है, बल्कि नवाचार की शक्ति से बेहतर भविष्य का निर्माण भी करता है।

ओटिस ने अगले साल के मेड टू मूव कम्युनिटीज़ चैलेंज की भी घोषणा की, जिसका विषय है एआई का उपयोग कर शहरी यातायात समाधान विकसित करना। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य शहरी यातायात समस्याओं का समाधान खोजना और छात्रों में एसटीईएम शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाना है।

वर्ष 2020 से अब तक, इस प्रतियोगिता ने 750 छात्रों और ओटिस के सैकड़ों कर्मचारियों को जोड़ा है। भाग लेने वाले स्कूलों को लगभग 1 मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान मिला है, ताकि वे अपने एसटीईएम प्रोग्राम्स को आगे बढ़ा सकें। इस साल, पहली बार सभी क्षेत्रीय विजेता टीमें फाइनल राउंड में मुकाबला करेंगी, और एक ग्लोबल चैम्पियन टीम चुनी जाएगी।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छता पखवाडा का शुभारंभ

मंडल रेल प्रबंधक पाण्डेय द्वारा सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता-शपथ दिलाई

बिलासपुर। भारतीय रेलवे द्वारा स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत मिशन के तहत स्वच्छता-पखवाडा का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक आयोजित इस स्वच्छता पखवाडा में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के सभी स्टेशनों, रेलवे परिसरों, रेलवे कालोनियों ,पटरियों, कार्य क्षेत्रों तथा गाडियों में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

पखवाड़ा के प्रथम दिवस आज 01 अक्टूबर 2024 को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण पाण्डेय के द्वारा सभी शाखाधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता-शपथ दिलाकर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। बिलासपुर स्टेशन में स्वच्छ जागरूकता थीम पर स्काउट-गाइड के बच्चों द्वारा नुक्कड-नाटक की जीवंत प्रस्तुति से यात्रियों को स्वच्छता के महत्व को बताते हुये सर्वत्र साफ-सुथरा रखने के लिए प्रेरित किया गया । इसके साथ ही मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों में स्वच्छता शपथ के साथ प्रभात फेरी निकालकर यात्रियों और राहगीरों को स्वच्छता जागरूकता का संदेश दिया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत कल दिनांक 02 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती एवं स्वच्छ भारत दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक सुश्री नीनु इटियेरा के मुख्य आतिथ्य में वृहद वृक्षारोपण तथा श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता !

बिलासपुर मंडल के 09 रेलवे स्टेशन हुये सीसीटीवी कैमरो से लैस, यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था महत्वपूर्ण जिम्मेदारी। अम्बिकापुर स्टेशन भी आया सीसीटीवी निगरानी में

बिलासपुर। मंडल रेल प्रशासन यात्रियों को बेहतर यात्री सुविधाएं तथा सुरक्षा के साथ बेहतर यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है । मंडल के अंतर्गत अवस्थित स्टेशनों से प्रतिदिन हजारों की संख्या में यात्री एक स्थान से दूसरे स्थानों के लिए यात्रा करते हैं । यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रेल सुरक्षा बल एवं जीआरपी के ऊपर रहती है।

स्टेशन के सूक्ष्म से सूक्ष्म गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरा लगाए गए हैं जिनकी मदद से रेलवे परिसरों की बेहतर संरक्षा औए सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है। सीसीटीवी की मदद से रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट के कंट्रोल रूम से स्टेशनों के सभी गतिविधियों व सुरक्षा की निगरानी 24 घंटे की जा रही है।

यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा आपराधिक एवं संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम के क्रम में मंडल के 09 स्टेशनों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गये हैं जिसमें बिलासपुर-105, रायगढ स्टेशन में 32, पेण्ड्रारोड स्टेशन में 16, अनुपपुर स्टेशन में 32, शहडोल स्टेशन में 16, अकलतरा स्टेशन में 12, चॉंपा स्टेशन में 23, कोरबा स्टेशन में 12 तथा अम्बिकापुर में 14 सहित 09 स्टेशनों में सीसीटीव्ही कैमरे स्थापित किये जा चुके हैं तथा उमरिया स्टेशन में 15 सीसीटीवी लगाने का कार्य प्रगति पर हैं जिसे अतिशीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। ये सभी सीसीटीवी कैमरे पूरे स्टेशन को कवर करने वाली एचडी प्रकार के तथा चेहरे पहचानने वाले साफ्टवेयर जैसी आधुनिक तकनीकी से लेस हैं। अतिरिक्त सीसीटीव्ही कैमरे की उपलब्धता से स्टेशनों में अपराध में कमी, यात्रियों तथा उनके सामानों की सुरक्षा में वृद्धि, संदिग्ध गतिविधियों की रोकथाम होगी तथा साक्ष्य संग्रहण करने में आसानी होगी।

स्टेशनों में सुव्यवस्थित यातायात बनाने के साथ ही भीड़ का बेहतर प्रबंधन करने में भी सहायता मिलेगी।

जिसका सीधा लाभ यात्रियों को सुरक्षित व भयमुक्त यात्रा के रूप में मिलेगा। साथ ही साथ रेलवे की संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले शरारती तत्वों और रेल में अपराध करने वालों पर भी अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजापुर में निजी स्कूलों को मान्यता देने संबंधी नियम निर्देश की प्रति उपलब्ध नहीं

बीजापुर। बीजापुर में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत दिनांक 22.7.2024 को नियमानुसार आवेदन पत्र देकर निजी स्कूलों को मान्यता देने संबंधी वर्तमान में प्रभावशील शासनादेश नियम निर्देश की प्रति उपलब्ध कराने हेतु निवेदन किया गया था किन्तु निर्धारित समय सीमा पर कोई जानकारी नहीं दिया गया जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि कार्यालय में निजी स्कूलों को मान्यता दिए जाने संबंधी कोई भी नियम निर्देश उपलब्ध नहीं है ।जिले में कई निजी स्कूल संचालित है प्रश्न यह उठता है कि जिले में संचालित निजी स्कूलों को मान्यता जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजापुर द्वारा किस नियम निर्देश के तहत दिया जा रहा है? जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में निजी स्कूलों को मान्यता दिए जाने कोई गाइडलाइन उपलब्ध ही नहीं है ऐसे में निजी स्कूले नियमानुसार संचालित हो रहे हैं कैसे कहा जा सकता है? जिला मुख्यालय में कुछ स्कूल आवासीय भवनों पर संचालित है जिनके पास ना तो पर्याप्त बैठक व्यवस्था है और ना शौचालय पुस्तकालय खेल कूद के मैदान फिर भी उन्हें मान्यता मिल रही है किस नियम के तहत सवाल उठना लाजमी है । जब जिला शिक्षा अधिकारी के कार्यालय में नियमावली नहीं है तो मान्यता कैसे व किस आधार पर दिया जा रहा है या नियमावली उपलब्ध है तो नियमावली को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा है? निजी स्कूल संचालन हेतु शासन के मापदंड को पूरा नहीं करने वाले निजी स्कूलो को संचालन की मान्यता दिया जा रहा है नियमावली देने से पोल खुलने की संभावना है इसलिए नियमावली नहीं दीं जा रही है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम केतहत निजी स्कूलों में अध्यनरत छात्रों को शिक्षा प्रदान किया जा रहा है जिसका शिक्षण शुल्क शासन के द्वारा निजी स्कूलों को भुगतान किया जा रहा है किन्तु उन बच्चों का एवं पालकों का निवास पता आधार कार्ड मोबाइल फोन तक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध नहीं है इसलिए सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि निजी स्कूल संचालन और शुल्क भुगतान में किस तरह फर्जीवाड़ा हो रहा है ।दूसरी तरफ शासन के द्वारा संलगनीकरण बंद है विशेष परिस्थितियों में यदि करना है तो 6 माह से अधिक नहीं होना चाहिए किन्तु इस कार्यालय में वर्ष 2015 से हाई स्कूल में पदस्थ लिपिकों को निरंतर संलग्न कर आज तक रखा गया है शासन के आदेश जिला शिक्षा अधिकारी को कोई मायने नहीं रखता निश्चित ही जिन स्कूलों के कर्मचारी लिपिक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ हैं वहा का कार्य प्रभावित हो रहा होगा या कोई शिक्षक शैक्षणिक कार्य छोड़कर लिपिकीय कार्य कर रहे होगे जाहिर है बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती होगी बहरहाल शासन कोई भी नियम निर्देश आदेश जारी करें किन्तु जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय बीजापुर के लिए कोई मायने नहीं रखता है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय अपने हिसाब से ही चलाएंगे शासन के नियम निर्देश गाइडलाइंस का पालन करने की उन्हें कोई आवश्यकता नहीं है?

अवैध कब्जा हटाने जेसीबी लेकर पहुंची राजस्व विभाग की टीम, कार्रवाई के विरोध में अतिक्रमणकारी ने खुद पर डाला मिट्टी तेल

बेमेतरा। जिले में अतिक्रमण तोड़ने गई राजस्व पुलिस की टीम को भारी विरोध का सामना करना पड़ा. अधिकारी और कर्मचारी जेसीबी मशीन के साथ अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे, लेकिन स्थानीय अतिक्रमणधारी ने उनके विरोध में अपने ऊपर मिट्टी का तेल डाल लिया. इस घटना के बाद पुलिस की टीम ने तुरंत युवक को पकड़कर थाने भेज दिया. यह मामला कोपेडबरी पंचायत के आश्रित ग्राम कुर्दा का है. जब राजस्व विभाग की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची तो अतिक्रमणधारी के परिवार की महिलाओं ने घर तोड़ने से मना करते हुए दरवाजे में खड़े होकर अधिकारियों का विरोध किया. महिलाएं घर की सुरक्षा के लिए अडिग रहीं और अधिकारियों के आगे खड़ी हो गईं, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गई. बताया जा रहा है कि लोगों ने बिजली ऑफिस की जमीन पर अतिक्रमण कर अवैध रूप से घर बनाया है. वहीं लम्बे समय से बिजली विभाग द्वारा अतिक्रमण की शिकायत की जा रही थी, जिसपर अब कार्रवाई की जा रही है.

शीतलापारा नौ दुर्गोत्सव समिति के तत्वाधान में होगा शानदार आयोजन

प्रसिद्ध शक्तिपीठ दंतेश्वरी माता सहित अन्य महत्वपूर्ण माता प्रतिमाओ का होगा स्थापना

नवापारा राजिम। नगर के इतिहास मे पहली बार शीतलापारा मे नवयुग शीतलापारा नौ दुर्गोत्सव समिति के तत्वाधान मे इस शारदीय कँवार नवरात्र छत्तीसगढ़ के कोने कोने मे विराजित जगत जननी माताओ को एक मंच मे लाकर उनकी प्रतिमाओ को विराजित करने का कार्य किया जा रहा हैं. जहाँ माताभक्त एक साथ इन सभी शक्ति पीठ की माताओ का दर्शन पूजन कर सकेंगे. उक्त माता प्रतिमाओ मे प्रमुख रूप से दंतेवाड़ा की दंतेश्वरी माता, डोंगरगढ़ की बम्लेश्वरी माता, बागबाहरा की चण्डी माता, धमतरी की अंगारमोती व बिलई माता, राजनांदगांव की पाताल भैरवी माता, रतनपुर की महामाई माता, चंद्रपुर की चन्द्रहासिनी सहित आदि शक्ति अम्बे दुर्गा भवानी माता की प्रतिमाओ का स्थापना होने जा रहा हैं. समिति के सदस्यों द्वारा इसके लिए जोर शोर से तैयारी चल रही हैं. दुर्गा मंच सहित आसपास के क्षेत्र व झालर लाइट व अन्य सामानो से दुल्हन की तरह सजाया जा रहा हैं. इन सभी प्रतिमाओ का भव्य आगमन 2 अक्टूबर बुधवार को होने जा रहा हैं. वही 3 अक्टूबर को घटपूजा व मूर्ति स्थापना का कार्यक्रम संपन्न होगा. आगामी दिनों मे 7 अक्टूबर सोमवार को महापंचमी, 8 अक्टूबर मंगलवार को जस झांकी कार्यक्रम, 9 अक्टूबर को नवज्योति मानस परिवार का जस कार्यक्रम सहित 11 अक्टूबर को हवन पूजन, नव कन्या भोज व 12 अक्टूबर शनिवार को माता प्रतिमाओ का विसर्जन होगा.उक्त जानकारी देते हुए समिति द्वारा नगर सहित अंचल के सभी माताभक्तो को प्रतिदिन दर्शन पूजन व आरती मे शामिल होने की अपील की गई हैं.

पोषण माह के अंतिम दिन आंगनबाड़ी केन्द्रों में की गई साफ-सफाई

महासमुंद। महिला-बाल विकास विभाग द्वारा पिछले एक महीने से विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों पर चलाए जा रहे पोषण माह का समापन स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाकर किया गया। इस अवसर पर सामुदायिक सहभागिता से स्वच्छता और सफाई के महत्व को भी बताया गया। हितग्राहियों के घरों में जाकर पोषण वाटिका तैयार किया गया। साथ ही भारत सरकार द्वारा सातवें राष्ट्रीय पोषण माह के समापन अवसर पर यहां वेबिनार के माध्यम से कार्यक्रम का श्रवण किया गया। 30 सितंबर को शहरी परियोजना अंतर्गत पंचशील वार्ड में सक्षम आंगनबाड़ी केन्द्र में स्वच्छता ही सेवा, जागरूकता, पोषण और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। समापन अवसर पर पोषण माह में किए गए गतिविधियों का पुनः वाचन कर उसके उद्देश्यों को स्मरण किया गया। इस दौरान पार्षद मनीष शर्मा, यूनानी डॉ. असफाक अहमद, पर्यवेक्षक शीला प्रधान, कुंती यादव, रीतु सिन्हा, कीर्ति परोहा, राजेश्वरी निषाद, दुलारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुधा रात्रे मौजूद थी।

मोदी ने हाल पूछ कर लकीर बड़ी कर ली

संपादकीय

अच्छा राजनेता वह होता है जो सही मौके पर दूसरे की लकीर को छोटा किए बिना खुद बड़ी लकीर खींच देता है और साबित कर देता है कि राजनीति में बिना कटु वचन बोले भी अपनी बात कही जा सकती है, अपने को दूसरे नेता से बेहतर नेता साबित किया जा सकता है। इसमें कोई शक नहीं है कि पीएम मोदी देश के सबसे बेहतर नेताओं में से एक हैं। वह अपने काम से ही नहीं अपने विचार, आचार से भी कई बार खुद को दूसरे नेताओं से खुद को बेहतर साबित करते हैं और जनता की नजह में सराहना के पात्र बन जाते हैं। उनकी बात सुनकर लोग बरबस कह उठते हैं कि देश का नेता तो ऐसा ही होना चाहिए। सबकी फिकर करने वाला, सबका का भला चाहने वाला। किसी विरोधी पार्टी के नेता की तबियत चुनावी सभा के दौरान खराब हो जाए और वह नेता पीएम मोदी के बारे में ही नकारात्मक बातें कर रहा हो तो स्वाभाविक है कि उसकी तबियत के बारे में कम के कम फोन करके नहीं पूछेंगे कि अब तबियत कैसी है। पीएम मोदी ने ऐसा किया।ऐसा करके एक तो उन्होंने साबित किया जो लोग मोहब्बत की बात करते हैं, वह भले अपने आचार विचार से किसी के लिए अच्छा न कहें लेकिन जो लोग मोहब्बत की बात नहीं करते हैं वह अपने आचार विचार से दूसरों की चिंता कर यही बताते हैं कि वह विरोधी पार्टी में हैं तो क्या हुआ उनसे प्यार करते हैं, वह उनका भला चाहते हैं। हुआ यह कि कांग्रेस अध्यक्ष एम खरगे जम्मू कश्मीर में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।इसी दौरान उनकी तबियत खराब हो गई और इलाज के बाद वह स्वस्थ हुए तो अपने भाषण में कहा कि पीएम मोदी को सत्ता से हटाए बिना मैं मरने वाला नहीं हूं।इससे तो साफ है कि वह पीएम मोदी के लिए कोई अच्छी बात तो नहीं कर रहे थे। वह अच्छी बात भी कह सकते थे कि हम मोदी से बेहतर काम करके दिखाएंगे और उनको चुनाव में हराकर दिखाएंगे। यह अच्छी बात होती, यह तो अच्छी बात नहीं है कि मैं जब तक मोदी को सत्ता से नहीं हटा देता तब तक मैं मरने वाला नहीं हूं। यानी आप जब किसी से नफरत करते हैं तो चाहते हैं कि उसे सत्ता से हटाना ही सबसे बड़ा काम है। कौन नहीं जानता है कि गांधी परिवार पीएम मोदी से सबसे ज्यादा नफरत करता है और जो भी कांग्रेस नेता उनके लिए बुरी बात बोलता है, कड़वी बात बोलता है तो उस नेता से गांधी परिवार खुश होता है, इसलिए कांग्रेस नेताओं में पीएम मोदी को बुरा कहने की होड़ लगी रहती है। खरगे तो कांग्रेस अध्यक्ष हैं,पीएम मोदी को हराना उनका भी एकमात्र लक्ष्य है। चुनाव लड़ते वक्त चुनाव लड़ने वाले एक दूसरे के विरोधी होते हैं वह एक दूसरे के बारे में बुरा तो बोलते हैं लेकिन भला तो कोई किसी का नहीं चाहता है लेकिन पीएम मोदी ऐसे नेता हैं जो अपने विरोधी, बुरा कहने वाले की भी चिंता करते हैं, उनका भला चाहते हैं, उसकी तबियत खराब हो जाए तो फोन कर हाल पूछते हैं कि कैसे हो।ठीक तो हो।पीएम मोदी चाहते तो नहीं भी पूछ सकते थे, कोई उनको कुछ नहीं कहता कि आपने खरगे को फोन कर क्यों नहीं पूछा कि उनकी तबियत कैसी है। भाजपा के किसी और नेता ने तो खरगे को फोन कर नहीं पूछा कि तबियत कैसी है, पीएम मोदी ने ही पूछा तो इसका मतलब है कि पीएम चुनाव के दौरान भी नहीं चाहते हैं कि किसी की तबियत खराब हो और वह मर जाए। भले ही वह कांग्रेस का अध्यक्ष ही क्यों न हो। मोदी जानते हैं कि वह खरगे को फोन कर नहीं पूछते तो कहीं कोई खबर नहीं छपती लेकिन वह खरगे को फोन कर पूछेंगे तो इसकी खूब चर्चा भी होगी कि देखो खरगे ने तो मोदी को सत्ता से हटाने की बात की और मोदी ने उनकी तबियत खराब होने पर फोन कर हाल पूछा। पीएम मोदी को जनता से कहने की जरूरत ही नहीं थी कि वह खरगे से बेहतर नेता हैं,उन्होंने अपने आचरण से साबित कर दिया कि वह पहले भी कांग्रेस के तमाम नेताओं से बेहतर नेता हैं और आज भी हैं और आगे भी रहेंगे।खरगे ने कांग्रेस और गांधी परिवार को बताने की कोशिश की वह मोदी को हराने के लिए वह जिंदा है और हराने के बाद ही मरेंगे। यानी दूसरे शब्दों में गांधी परिवार को बताने की कोशिश की देखो आप जो चाहते हो,मैं उसी के लिए जिंदा हूं और जब तक जिंदा हूं, मोदी को हराने के लिए कोशिश करता रहूंगा। खरगे ने गांधी परिवार के सामने अपनी लकीर को बड़ी करने का प्रयास किया। पीएम मोदी सबसे ज्यादा होशियार नेता निकले उन्होंने इस मौके पर खुद को देश की जनता के सामने कांग्रेस के तमाम नेताओं से बड़ा और बेहतर नेता साबित किया। इससे पहले भी जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का महाधिवेशन हुआ था और सोनिया गांधी को धूप से बचाने के लिए छतरी की व्यवस्था की गई लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष खरगे धूप में ही खड़े थे। तब भी पीएम मोदी ने खरगे के साथ किए गए इस व्यवहार पर कहा था कि कांग्रेस को अपने अध्यक्ष का पूरा सम्मान करना चाहिए और ऐसा करके उन्होंने खरगे व कांग्रेस को बता दिया था कि तुमको अपने अध्यक्ष के सम्मान की चिंता नहीं है लेकिन मुझे है।तो मोदी जब भी खरगे के माध्यम से खुद को बेहतर नेता साबित करने का मौका मिलता है, वह मौका चूकते नहीं है। सबसे अच्छा नेता तो वही होता है जो राजनीति भी करता है और कोई कह भी नहीं सकता उसने राजनीति की है।

अहिंसा को जीवनशैली बनायें

ललित गर्ग

आज चारों तरफ हिंसा का बाहुल्य है। आज के युग तो अनावश्यक हिंसा का युग कहा जा सकता है। बिना मतलब जीवों की और आदमी की भी हिंसा हो रही है। हिंसा करना एक शौक बनता जा रहा है। धीरे-धीरे यह शौक आदमी की जीवनशैली बन रहा है। बिना किसी की हत्या किए आदमी को चैन नहीं मिलता। देश एवं दुनिया में जटिल होते हिंसक हालातों पर नियंत्रण के लिये राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिन 2 अक्टूबर को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जाना हमारे लिये गर्व की बात है। गांधी की अहिंसा ने भारत को गौरवान्वित किया है, भारत ही नहीं, दुनियाभर में अब उनकी जयन्ती को बड़े पैमाने पर अहिंसा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। गांधी के अनुयायियों एवं उनमें आस्था रखने वाले उन तमाम लोगों को इससे हार्दिक प्रसन्नता हुई है जो बापू के सिद्धान्तों से गहरे रूप में प्रभावित हैं, अहिंसा के प्रचार-प्रसार में निरन्तर प्रयत्नशील हैं। यह बापू की अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता का बड़ा प्रमाण भी है। यह एक तरह से गांधीजी को दुनिया की एक विनम्र श्रद्धांजलि भी है। यह अहिंसा के प्रति समूची दुनिया की स्वीकृति भी कही जा सकती है।

महात्मा गांधी ने विश्व शांति, अहिंसा एवं आपसी सौहार्द की स्थापना के लिए देश-विदेश के शीर्ष नेताओं से मुलाकातें कीं, अहिंसक प्रयोग किये, भारत को अहिंसा के द्वारा आजादी दिलाई। उन्होंने आदर्श, शांतिपूर्ण एवं अहिंसक समाज के निर्माण के लिये वातावरण बनाया। सबसे पहले ह्यअहिंसा परमो धर्मःह्व का प्रयोग हिन्दुओं के पावन ग्रंथ ह्यमहाभारतह्व के अनुशासन पर्व में किया गया था। लेकिन इसको अंतर्राष्ट्रीय प्रसिद्धि दिलवायी महात्मा गांधी ने। गांधी ने अपनी वाणी से और अपने स्वयं के जीवन से इसे वह प्रतिष्ठा दिलाई कि अहिंसा के साथ महात्मा गांधी का नाम ऐसा जुड़ गया कि दोनों को अलग कर ही नहीं सकते। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ करें तो वह होगा कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाएं, किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दुःख न दें। ह्यआत्मानः प्रतिकूलानि परेषाम न समाचरेतह्व इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए अपेक्षा करते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात पूरे प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना रखकर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए हत्या न तो करें और न ही करवाएं और हत्या से उत्पन्न वस्तुओं का भी उपभोग नहीं करें।

हमारे लिये यह सन्तोष का विषय इसलिये है कि अहिंसा का जो प्रयोग भारत की भूमि से शुरू हुआ उसे संसार की सर्वोच्च संस्था ने जीवन के एक मूलभूत सूत्र के रूप में मान्यता दी। हम देशवासियों के लिये अपूर्व प्रसन्नता की बात है कि गांधी की प्रासंगिकता चमत्कारिक ढंग से बढ़ रही है। दुनिया उन्हें नए सिरे से खोज रही है। उनको खोजने का अर्थ है अपनी समस्याओं के समाधान खोजना, हिंसा एवं आतंकवाद की बढ़ती समस्या का समाधान खोजना। शायद इसीलिये कई विश्वविद्यालयों में उनके विचारों को पढ़ाया जा रहा है, उन पर शोध हो रहे हैं। आज भी भारत के लोग गांधी के पदचिन्हों पर चलते हुए अहिंसा का समर्थन करते हैं। पडौसी देश के साथ भी लगातार अहिंसा से पेश आते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हमारी अहिंसा को कायरता समझने की भूल की है। हिंसकवृत्ति आदमी को एक दिन कालसौकरिक कसाई बना देती है, कंस बना देती है, रावण बना देती है। एक ऐसा हिंसक समाज बन रहा है, जिसमें कुछ लोगों को दिन भर में जब तक किसी को मार नहीं देते, उन्हें बेचैनी-सी रहती है। इतिहास में ऐसे कुछ विकृत दिमाग के लोग हुए हैं, जिन्हें यातना देकर किसी को मारने में आनंद आता था। अपने शौक को पूरा करने के लिए वे कारागृह में लोगों को भेड़-बकरियों की तरह भरते थे और प्रतिदिन उनमें से कई को वीभत्स तरीके से मारते थे। इसमें उन्हें एक अव्यक्त आनंद की अनुभूति होती थी। सैमुबल बेकेट का मार्मिक कथन है कि आंसू बहना इस दुनिया में कभी नहीं थमता। एक शख्स की आंख में वह थमता है तो कहीं और किसी दूसरे की आंख में बहने लगता है। लेकिन यही बात हंसी पर भी लागू होती है ह्न हिंसा के माहौल में अहिंसा के दीपक भी यत्र-तत्र प्रज्वलित होते ही है। भले ही अहिंसा एवं शांति की लौ धीमी हो, लेकिन यह हिंसा एवं अशांति से कहीं बेहतर एवं कारगर है। अहिंसा दिवस की आयोजना इस मद्धिम होती रोशनी को तीव्र करने की प्रेरणा देती है। जिनकी जीवनशैली हिंसाप्रधान होती है, उनकी दृष्टि में हिंसा ही हर समस्या का समाधान है। हिंसा एक मिथ्यादर्शन, किन्तु हिंसकवृत्ति के लोगों ने उसे सम्यक्दर्शन बना दिया है। जो जितनी बड़ी हिंसा करता है, उसे उतना ही सफल माना जाने लगा है। राजनीति में तो हिंसा जीत का हथियार बन गयी है। बड़े राष्ट्र इसी तरह की हिंसा के बल पर दुनिया पर अपना आधिपत्य करते हैं। बात शांति की हो, अहिंसा की हो और मार्ग हिंसा एवं अशांति का चुने तो यह कैसे संभव हो सकता है। अहिंसा एवं शांति को चाहने वालों जागरूक होना होगा और इसके लिये महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन एवं सिद्धान्तों को सामने रखना होगा। गांधी ने कहा भी है कि अहिंसा ही धर्म है, वही जिन्दगी का एक रास्ता है। अध्यात्म के आचार्यों ने हिंसा और युद्ध की मनोवृत्ति को बदलने के लिए मनोवैज्ञानिक भाषा का प्रयोग किया है। उन्होंने कहा है- युद्ध करना परम धर्म है, पर सच्चा योद्धा वह है, जो दूसरों से नहीं स्वयं से युद्ध करता है, अपने विकारों और आवेगों पर विजय प्राप्त करता है। जो इस सत्य को आत्मसात कर लेता है, उसके जीवन की सारी दिशाएं बदल जाती हैं। वह अपनी शक्तियों का उपयोग स्व-पर कल्याण के लिए करता है। जबकि एक हिंसक अपनी बुद्धि और शक्ति का उपयोग विनाश और विध्वंस के लिए करता है। पडौसी देश पाकिस्तान ऐसा ही करता रहा है, उसको अपनी अवाम के बारे में सोचना चाहिए। शायद वह कभी भी हिंसा एवं युद्ध नहीं चाहती है। गांधीजी आज संसार के सबसे लोकप्रिय भारतीय बन गये हैं, जिन्हें कोई हैरत से देख रहा है तो कोई कौतुक से। इन स्थितियों के बावजूद उनका विरोध भी जारी है। उनके व्यक्तित्व के कई अनजान और अंधेरे पहलुओं को उजागर करते हुए उन्हें पतित साबित करने के भी लगातार प्रयास होते रहे हैं, लेकिन वे हर बार ज्यादा निखर कर सामने आए हैं, उनके सिद्धान्तों की चमक और भी बढ़ी है। वैसे यह लम्बे शोध का विषय है कि आज जब हिंसा और शस्त्र की ताकत बढ़ रही है, बड़ी शक्तियां हिंसा को तीक्ष्ण बनाने पर तुली हुई हैं, उस समय अहिंसा की ताकत को भी स्वीकारा जा रहा है। यह बात भी थोड़ी अजीब सी लगती है कि पूंजी केन्द्रित विकास के इस तूफान में एक ऐसा शख्स हमें क्यों महत्वपूर्ण लगता है जो आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था की वकालत करता रहा, जो छोटी पूंजी या लघु उत्पादन प्रणाली की बात करता रहा। सवाल यह भी उठता है कि मनुष्यता के पतन की बड़ी-बड़ी दास्तानों के बीच आदमी के हृदय परिवर्तन के प्रति विश्वास का क्या मतलब है? जब हथियार ही व्यवस्थाओं के नियामक बन गये हों तब अहिंसा की आवाज कितना असर डाल पाएगी? एक वैकल्पिक व्यवस्था और जीवन की तलाश में सक्रिय लोगों को गांधीवाद से ज्यादा मदद मिल रही है। मनुष्य, मनुष्यता और दुनिया को बचाने के लिए अहिंसा से बढ़कर कोई उपाय-आश्रय नहीं हो सकता। इस दृष्टि से अहिंसा दिवस सम्पूर्ण विश्व को अहिंसा की ताकत और प्रासंगिकता से अवगत कराने का सशक्त माध्यम है। वस्तुतः अहिंसा मनुष्यता की प्राण-वायु ऑक्सीजन है। प्रकृति, पर्यावरण पृथ्वी, पानी और प्राणिमात्र की रक्षा करने वाली अहिंसा ही है। मानव ने ज्ञान-विज्ञान में आश्चर्यजनक प्रगति की है। परन्तु अपने और औरों के जीवन के प्रति सम्मान में कमी आई है।

महाराजा अग्रसेन समाजवादी व्यवस्था के महासूर्य

ललित गर्ग

कुशल शासकों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन कालजयी होता है और युग-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करता है। ऐसे शासकों से न केवल जनता बल्कि सभ्यता और संस्कृति भी समृद्ध और शक्तिशाली बनती है। ऐसे शासकों की दृष्टि में सर्वोपरि हित सत्ता का न होकर समाज एवं मानवता होता है। ऐसे ही महान शासक थे महाराजा अग्रसेन। वे कर्मयोगी लोकनायक तो थे ही, संतुलित एवं आदर्श समाजवादी व्यवस्था के निमार्ता भी थे। वे समाजवाद के प्रणेता, गणतंत्र के संस्थापक, अहिंसा के पुजारी व शांति के दूत थे। सचमुच उनका युग रामराज्य की एक साकार संरचना था जिसमें उन्होंने अपने आदर्श जीवन कर्म से, सकल मानव समाज को महानता का जीवन-पथ दशार्या। उस युग में न लोग बुरे थे, न विचार बुरे थे और न कर्म बुरे थे। राजा और प्रजा के बीच विश्वास जुड़ा था। वे एक प्रकाश स्तंभ थे, अपने समय के सूर्य थे जिनकी जन्म जयन्ती हर वर्ष 1 अक्टूबर को मनाई जा रही है।

महाराजा अग्रसेन अग्रवाल जाति के पितामह थे। धार्मिक मान्यतानुसार इनका जन्म अश्विन शुक्ल प्रतिपदा को मयार्दा पुरुषोतम भगवान श्रीराम की चैंतीसवी पीढ़ी में सूर्यवंशी क्षत्रिय कुल के प्रतापनगर के महाराजा वल्लभ सेन के घर में द्वापर के अन्तिमकाल और कलियुग के प्रारम्भ में आज से लगभग 5187 वर्ष पूर्व हुआ था। वर्तमान में राजस्थान व हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे प्रतापनगर स्थित था। राजा वल्लभ के अग्रसेन और शूरसेन नामक दो पुत्र हुये। अग्रसेन महाराज वल्लभ के ज्येष्ठ पुत्र थे। महाराजा अग्रसेन के जन्म के समय गर्ग ऋषि ने महाराज वल्लभ से कहा था, कि यह बहुत बड़ा राजा बनेगा। इसके राज्य में एक नई शासन व्यवस्था उदय होगी और हजारों वर्ष बाद भी इनका नाम अमर होगा। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का अग्रदूत कहा जाता है। अपने क्षेत्र में सच्चे समाजवाद की स्थापना हेतु उन्होंने नियम बनाया कि उनके नगर में बाहर से आकर बसने वाले व्यक्ति की सहायता के लिए नगर का प्रत्येक निवासी उसे एक रुपया व एक ईंट देगा, जिससे आसानी से उसके लिए निवास स्थान व व्यापार का प्रबंध हो जाए। महाराजा अग्रसेन ने एक नयी व्यवस्था को जन्म दिया, उन्होंने पुनः वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य की पुनर्गठन में कृषि-व्यापार, उद्योग, गौपालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराज अग्रसेन ने 108 वर्षों तक राज किया। महाराज अग्रसेन ने एक ओर हिन्दू धर्म ग्रंथों में वैश्य वर्ण के लिए निर्देशित कर्म क्षेत्र को स्वीकार किया और दूसरी ओर देशकाल के परिप्रेक्ष्य में नए आदर्श स्थापित किए। उनके जीवन के मूल रूप से तीन आदर्श हैं- लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, आर्थिक समरूपता एवं सामाजिक समानता। एक निश्चित आयु प्राप्त करने के बाद कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा जगत की उन्नति मूल रूप से जिन चार स्तंभों पर निर्भर होती हैं, वे हैं- आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक व सामाजिक। अग्रसेनजी का जीवन-दर्शन चारों स्तंभों को दृढ़ करके उन्नत विश्व के नवनिर्माण का आधार बना है। लेकिन इसे समय की विडम्बना ही कहा जायेगा कि अगणित विशेषताओं से संपन्न, परम पवित्र, परिपूर्ण, परिशुद्ध, मानव की लोक कल्याणकारी आभा से युक्त महामानव महाराज अग्रसेन की महिमा से अनभिज्ञ अतीत से वर्तमान तक के कालखण्ड ने उन्हें एक समाज विशेष का कुलपुरुष घोषित कर उनके स्वर्णिम इतिहास को हाशिए पर डाल दिया है। वर्तमान में भी उनके वंशजों की बड़ी तादाद होने और राष्ट्र के निर्माण में उनका सर्वाधिक योगदान होने के बावजूद न तो उस महा-शासक को और न ही उनके वंशजों को सम्मानपूर्ण प्रतिष्ठा प्राप्त हो पा रही है। अग्रसेनजी सूर्यवंश में जन्मे। महाभारत के युद्ध के समय वे पन्द्रह वर्ष के थे। युद्ध हेतु सभी मित्र राजाओं को दूतों द्वारा निमंत्रण भेजे गए थे। पांडव दूत ने वृहत्सेन की महाराज पांडु से मित्रता को स्मृत कराते हुए राजा वल्लभसेन से अपनी सेना सहित युद्ध में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया था। महाभारत के इस युद्ध में महाराज वल्लभसेन अपने पुत्र अग्रसेन तथा सेना के साथ पांडवों के पक्ष में लड़ते हुए युद्ध के 10वें दिन भीष्म पितामह के बाणों से बिंधकर वीरगति को प्राप्त हो गए थे। इसके पश्चात अग्रसेनजी ने ही शासन की बागडोर संभाली। उन्होंने बचपन से ही वेद, शास्त्र, अस्त्र-शस्त्र, राजनीति और अर्थ नीति आदि का ज्ञान प्राप्त कर लिया था। उनका विवाह नागों के राजा कुमुद की पुत्री माधवी से हुआ। महाराजा अग्रसेन ने ही अग्रोहा राज्य की स्थापना की थी। उन्होंने कुशलतापूर्वक राज्य का संचालन करते हुए विस्तार किया तथा प्रजा हित में काम किए। वे धार्मिक प्रवृत्ति के पुरुष थे। धर्म में उनकी गहरी रुचि थी और वह साधना में विश्वास करते थे इसलिए उन्होंने अपने जीवन में कई बार कुलदेवी लक्ष्मीजी से यह वरदान प्राप्त किया कि जब तक उनके कुल में लक्ष्मीजी की उपासना होती रहेगी, तब तक जीवन मूल्यों के योगक्षेम में वे असफल होते हैं। इसीलिये उन्होंने धर्म को जीवन की सर्वोपरि प्राथमिकता के रूप में प्रतिष्ठापित किया। इसी से नये युग का निर्माण, नये युग का विकास वे कर सके। उनके युग का हर दिन पुरातन के परिष्कार और नए के सृजन में लगा था। सभ्यता, संस्कृति और संस्कारों के नए संदर्भ जुड़े। परम्परा प्रतिष्ठित हुई। रीति-रिवाजों का स्वरूप सामने आया। सबको काम, अर्थ, धर्म, मोक्ष की पुरुषार्थ चतुष्टयी की सार्थकता दिखलाई। महाराज अग्रसेन के राज की वैभवता से उनके पड़ोसी राजा बहुत जलते थे। इसलिये वे बार-बार अग्रोहा पर आक्रमण करते रहते थे। बार-बार हार के बावजूद वे अग्रोहा पर आक्रमण करते रहे, जिससे राज्य की जनता में तनाव बना ही रहता था। इन युद्धों के कारण अग्रसेनजी के प्रजा की भलाई के कामों में विघ्न पड़ता रहता था। लोग भी भयभीत और रोज-रोज की लडाई से त्रस्त हो गये थे। एक बार अग्रोहा में बड़ी भीषण आग लगी। उस पर किसी

अग्रकुल धन व वैभव से सम्पन्न रहेगा। उनके 18 पुत्र हुए, जिनसे 18 गोत्र चले। गोत्रों के नाम गुरुओं के गोत्रों पर रखे गए। महाराज अग्रसेन ने समाजवादी शासन व्यवस्था की स्थापना की, जिसमें किसी भी व्यक्ति की कोई आर्थिक हानि होती तो वह राजा से ऋण ले सकता था। सम्पन्न होने पर वापस दे देता था। महाराजा अग्रसेन ने 18 यज्ञ किए क्योंकि ब्राह्मण लोग अति संतोषी, यजमान के सिवाय दूसरे का दान न लेने वाले होते थे। यज्ञों द्वारा उनकी धन आदि की इच्छा पूरी हो जाती थी। हर व्यक्ति भगवान के नाम पर अपने राज्य और धार्मिक कार्यों के लिए अपनी आमदनी का दसवां भाग निकालता था। राज्य का हर व्यक्ति अपनी आजीविका अन्य साधनों या किसी व्यापार द्वारा करते थे परन्तु राष्ट्र पर विपत्ति आने के समय सब वर्ग के लोग हथियारों से युद्ध को तैयार हो जाते थे। समाज व्यववस्था उनके लिए कर्तव्य थी, इसलिए कर्तव्य से कभी पलायन नहीं किया तो धर्म उनकी आत्मनिष्ठा बना, इसलिए उसे कभी नकारा नहीं। महाराजा अग्रसेनजी की इसी विचारधारा का ही प्रभाव है कि आज भी अग्रवाल समाज शाकाहारी, अहिंसक एवं धर्मपरायण के रूप में प्रतिष्ठित है। उस समय यज्ञ करना समृद्धि, वैभव और खुशहाली की निशानी माना जाता था। महाराज अग्रसेन ने बहुत सारे यज्ञ किए। एक बार यज्ञ में बली के लिए लाए गये घोड़े को बहुत बेचैन और डरा हुआ पा उन्हें विचार आया कि ऐसी समृद्धि का क्या फायदा जो मूक पशुओं के खून से सराबोर हो। उसी समय उन्होंने पशु बली पर रोक लगा दी। इसीलिए आज भी अग्रवंश समाज हिंसा से दूर ही रहता है। उनकी दण्डनीति और न्यायनीति आज प्रेरणा है उस संवेदनशून्य व्यक्ति और समाज के लिए जो अपराधीकरण एवं हिंसक प्रवृत्तियों की चरम सीमा पर खड़ा है। व्यक्तित्व बदलाव का प्रशिक्षण अग्रसेनजी की बुनियादी शिक्षा थी। आज की शासन-व्यवस्थाएं अग्रसेनजी की शिक्षाओं को अपनाकर उन्नत समाज का निर्माण कर सकती है। अग्रसेनजी ने राजनीति का सुरक्षा कवच धर्मनीति को माना। राजनेता के पास शस्त्र है, शक्ति है, सत्ता है, सेना है फिर भी नैतिक बल के अभाव में भी तरह काबू ना पाया जा सका। उस अग्निकांड से हजारों लोग बेघरबार हो गये और जीविका की तलाश में भारत के विभिन्न प्रदेशों में जा बसे। पर उन्होंने अपनी पहचान नहीं छोडी। वे सब आज भी अग्रवाल ही कहलवाना पसंद करते हैं और उसी 18 गोत्रों से अपनी पहचान बनाए हुए हैं। आज भी वे सब महाराज अग्रसेन द्वारा निर्देशित मार्ग का अनुसरण कर समाज की सेवा में लगे हुए हैं। एक सर्वे के अनुसार, देश की कुल इनकम टैक्स का 24 प्रतिशत से अधिक हिस्सा अग्रसेन के वंशजों का हैं। कुल सामाजिक एवं धार्मिक दान में 62 प्रतिशत हिस्सा अग्रवंशियों का है। देश की कुल जनसंख्या का मात्र एक प्रतिशत अग्रवंशज है, लेकिन देश के कुल विकास में उनका 25 प्रतिशत सहयोग रहता है। बावजूद इसके देश की सरकारों ने उस महामानव एवं महा-शासक की स्मृति में कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किये हैं, यह देश की सबसे समृद्ध, बौद्धिक एवं क्रियाशील कौम के प्रति पक्षपात ही कहा जायेगा। कभी किसी अवसर पर डाक टिकट का जारी हो जाना या किसी विशेष तेल वाहक पोत (जहाज) का नाम महाराजा अग्रसेन रखा जाना बहुत नगण्य कार्य हैं। उस महामानव को राष्ट्र की सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब देश की बड़ी जन-कल्याणकारी योजनाएं उस महान शासक के नाम पर हो, किसी एक महत्वपूर्ण ट्रेन का नाम अग्रसेन एक्सप्रेस रखा जाये। राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों की राजधानियों में मुख्य मार्गों के नाम भी अग्रसेन मार्ग रखे जाये।अग्रसेन जयन्ती के अवसर पर अग्र-वंशजों को भी संकल्पित होना है। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अग्रवालों ने अपनी पहचान बनायी है उस तस्वीर में अब कल्पना के रंग भरने की जरूरत ही कहां है? उसे तो यर्थाथता की जमीं दे। अतीत, वर्तमान और भविष्य के कालखण्ड से जुड़ी संस्कृति की समीक्षा करें और यह देखें कि निर्माण के नए दीए हमने कब और कहां, कितने और कैसे जलाने हैं ताकि अग्रवंश की दीये से दीया जलाकर रोशनी की परम्परा को सुरक्षित रखा जा सके। अग्रवंशजों को अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को स्वतंत्र पहचान देनी है,

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है। आपके कुछ नए शत्रु उत्पन्न हो सकते हैं। आप अपने कामों में सुधार लाने की कोशिश करेंगे, जिसके लिए आपको थोड़ा सा सावधान रहना होगा। आपकी माताजी आपसे किसी जरूरी बात को लेकर बातचीत कर सकती हैं, जिससे आपका मनोबल ऊंचा रहेगा। यदि आप किसी नए घर की खरीदारी करना चाहते हैं, तो उसके लिए आपको कोई लोन आदि लेना पड़ सकता है। विदेशों से व्यापार कर रहे लोगों को थोड़ा सावधान रहना होगा।

वृष- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहेगा, क्योंकि उन्हें काम के साथ-साथ अपने बॉस का भी पूरा साथ मिलेगा, जो उनके कामों में उनकी पूरी मदद करेगा। आपको बिजनेस में भी मन मुताबिक लाभ मिल सकता है। मार्केटिंग से जुड़े लोगों को थोड़ी मेहनत अधिक करनी होगी, तभी वह अपने प्रोडक्ट को अच्छा दिखा सकेंगे। राजनीति में कार्यरत लोगों को अपने कामों से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे, जिससे उनके जन समर्थन में भी इजाफा होगा।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए खर्चो से भरा रहने वाला है। आपको कोई निवेश सोच समझकर करने की आवश्यकता है, जिसे आप लंबे समय तक के लिए ना करें। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप किसी छोटी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को किसी बात को लेकर समस्या होने की संभावना है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपको अपने कामों को कल पर टालने से बचना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों के लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपकी मन कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती हैं। आपको बिजनेस में योजनाओं पर भी ध्यान देना होगा। आपको अपने खर्चों पर थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। आपको बिजनेस में अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आप यदि कोई जोखिम भरा निर्णय लेंगे, तो उससे आपको नुकसान हो सकता है। विद्यार्थियों का मन किसी बात को लेकर परेशान रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए बुद्धि और विवेक से निर्णय लेने के लिए रहेगा। माताजी की आपसे किसी बात को लेकर खटपट हो सकती है। आपकी संतान को नौकरी की किसी परीक्षा में भाग लेने का मौका मिलेगा। आपको उनके करियर को लेकर थोड़ी चिंता रहेगी और पिताजी से आप बिजनेस को लेकर कोई राय ले सकते हैं, जो आपके खूब कामएगी। आप कोई निर्णय जल्दबाजी में न लें, नहीं तो उसमें गड़बड़ी होने से आपको पछतावा हो सकता है। पैतृक संपत्ति के आपको मिलने की संभावना है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको किसी बात को लेकर धैर्य और संयम दिखाने की आवश्यकता है। जीवनसाथी के लिए आप कोई उपहार लेकर आ सकते हैं। वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी। आप अपनी संतान से कुछ जरूरी कामों को लेकर बातचीत करेंगे।

तुला- आज आपके सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और आप जिस योजना में धन लगाएंगे, उसमें आपको अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। आज आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आपकी साख और सम्मान में वृद्धि होगी। सामाजिक क्षेत्रों में जो लोग कार्यरत हैं, उन्हें थोड़ा सा सावधान रहने की आवश्यकता है, क्योंकि उनके ऊपर जिम्मेंदारियों का बोझ डालकर उनके लिए कोई पॉलिटिक्स की जा सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको अधिकारियों से माफी मांगनी पड़ सकती है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए-नए मार्ग खोलेगा। आपका कुछ नया करने का मन करता करेगा और आप संतान की फरमाइश पर किसी नए काम की शुरूआत कर सकते हैं। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। जीवनसाथी आपसे अपने प्यार का इजहार करने के लिए उनके लिए कोई सरप्राइस प्लान कर सकते हैं। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई में जुटने की आवश्यकता है, तभी वह परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को कोई बेहतर अवसर मिल सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। नौकरी में आपके ऊपर जिम्मेदारियां का बहुत अधिक बोझ रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको मित्रों का सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। यदि आपका काम कहीं रुका हुआ था, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से बहुत से छुटकारा मिलेगा। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। आप संतान की उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। नौकरी में आपको कामों में एक नई पहचान मिलेगी और आपके बॉस भी हैरान रहेंगे। आप अपने अनुभवों का पूरा लाभ उठाएंगे। वैवाहिक जीवन में किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर बातचीत हो सकती है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। भाई बहन आपसे यदि किसी जरूरी काम को लेकर बातचीत करें, तो आप उचित सलाह अवश्य दें। आपको किसी से कोई धन संबंधित मदद लेनी पड़ सकती है।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आपको साझेदारी में कोई काम करना बेहतर रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी से अपने मन की बातों को कहने का मौका मिलेगा, जिसमें दोनों एक दूसरे के साथ काफी समय व्यतीत करेंगे। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी और आपका कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह पूरा होने में आपको समस्या दे सकता है।

मीन- मीन राशि के जातकों के लिए आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। काम अधिक रहने के कारण व्यस्तता अधिक रहेगी। आपके कुछ नए काम आ सकते हैं, जिनकी आपने उम्मीद भी नहीं की थी। पारिवारिक जीवन में आपको कोई भी ऐसी बात नहीं बोलनी है, जो उन्हें बुरी लग जाएं, नहीं तो आपके बेवजह लड़ाई झगड़ा बढ़ाने की संभावना है।

अगर आप भी करते हैं विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल तो आज ही हो जाएं सावधान

आजकल लोग अपनी स्किन को सुंदर और जवां बनाने के लिए तरह-तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं. जिनमें से एक विटामिन ई की कैप्सूल भी हैं, जिसे लोग अपने चेहरे की सुंदरता बढ़ाने के लिए करते हैं. बता दें कि विटामिन ई के कैप्सूल में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी स्किन संबंधी प्रॉब्लम्स को दूर करने में मदद करता है. इसमें कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो फ्री रेडिकल्स से होने वाले स्किन डैमेज और स्किन को रिपेयर करती है. लेकिन क्या आप जानते हैं, जिसे आप अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं, वहीं आपके स्किन को नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. तो आइए यहां जानें विटामिन ई कैप्सूल के इस्तेमाल करने के फायदे और नुकसान के बारे में.

विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल कितना फायदेमंद-स्किन एक्सपर्ट्स का मानना है विटामिन ई स्किन के लिए काफी फायदेमंद है, लेकिन अगर आप विटामिन ई के कैप्सूल को अपने चेहरे पर लगाते हैं, तो इसका कोई खास फायदा नहीं है.बता दें कि विटामिन ई के स्किन केयर प्रोडक्टस में सॉल्वेंट और इमल्सीफायर का मिश्रण होता है, इन्हीं की मदद से विटामिन ई चेहरे में समाता है. इसलिए सिर्फ विटामिन ई के कैप्सूल को चेहरे पर इस्तेमाल करने से कोई फायदा नहीं है. इस पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि विटामिन ई के कैप्सूल स्किन को कई बार नुकसान भी पहुंचा सकते हैं. कई बार इससे स्किन में जलन और एलर्जी जैसी चीजें भी होने लगती है. विटामिन ई कैप्सूल के कारण स्किन का रंग काला पड़ सकता है. सेंसिटिव स्किन वालों को इसका खासकर ध्यान रखना है.

विटामिन ई कैप्सूल के नुकसान -जानकारी के मुताबिक इन कैप्सूल में मौजूद विटामिन ई बहुत ही ज्यादा गाढ़ा और ऑयल सॉल्युबल होता है. इससे चेहरे पर कील-मुंहासों समेत कई कई समस्यएं हो सकती है. इसलिए स्किन एक्सपर्ट चेहरे पर डायरेक्ट विटामिन ई के कैप्सूल अप्लाई करने की सलाह नहीं देते हैं. ऐसे में अगर आपको इसकी जरूरत महसूस हो रही है तो आप विटामिन ई के कैप्सूल की जगह विटामिन ई के कोई और प्रोडक्ट्स यूज कर सकते हैं. वैसे तो चेहरे की समस्या को नेचुरली तरीके से और लाइफस्टाइल में सुधार करके दूर किया जा सकता है.

गर्भवती होने के बावजूद लगातार शूटिंग कर रही हैं देवोलीना

मुंबई, । अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी इन दिनों मां बनने की यात्रा का आनंद उठा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि कैसे वह अपने जीवन और करियर के बीच संतुलन बना रही हैं। देवोलीना ने कहा कि उन्हें आजकल अक्सर सहायता की आवश्यकता पड़ती है। उन्होंने बताया, गर्भवती होने के बावजूद मैंने अपनी शूटिंग जारी रखी है, ताकि मेरे दर्शक मुझे स्क्रीन पर देखते रहें और मैं उनका मनोरंजन करना

जारी रख सकूं। गर्भवती होने के चलते मुझे सेट पर अपना खास ध्यान रखना पड़ता है, इसके लिए मुझे अक्सर दूसरों से सहायता की जरूरत पड़ती है। गर्भवती होने के दौरान सेट पर आने वाली चुनौतियों पर बात करते हुए देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, %% मैं इस सन नियो शो में देवी छठी मैया का किरदार निभा रही हूं, इसलिए मुझे भारी आभूषण पहनने पड़ते हैं। खासतौर पर मुझे हार और मुकुट पहनना पड़ता है, जो मुझे बोझिल लगता है। लेकिन यह मेरे लिए एक नया अनुभव है और कुछ अलग करने में कोई बुराई नहीं है। देवोलीना ने शो में अपने किरदार को अपने स्वभाव के साथ जोड़ते हुए कहा कि जिस तरह मेरा किरदार क्रोधित होने पर काली माता का उग्र रूप धारण कर लेता हैं, उसी तरह मैं भी तब तक शांत रहती हूं, जब तक कोई जानबूझकर मुझे परेशान करने की कोशिश नहीं करता। लेकिन अगर कोई ऐसा करता है तो मैं काली माता की तरह ही उग्र हो जाती हूं। शो छठी मैया की बिटिया सन नियो पर प्रसारित होती है। पारिवारिक ड्रामा वैष्णवी पर केंद्रित है, जो अनाथ है और छठी मैया को अपनी मां मानती है। इस शो में सारा खान, जया भट्टाचार्य, वृंदा दहल और आशीष दीक्षित भी अभिनय कर रहे है। देवोलीना ने 2011 में शो 'सावरे सबके सपने प्रीतो' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। वह सबसे लंबे समय तक चलने वाले टीवी ओपेरा 'साथ निभाना साथिया' में गोपी की भूमिका निभाने के लिए जानी जाती हैं।

ये जिंदगी की जंग है साहब लड़नी तो पड़ेगी

नई दिल्ली,। ये जिंदगी की जंग है साहब लड़नी तो पड़ेगी, जीतना हो जंग यदि, कठिनाइयां सहनी पड़ेगी। यह लाइन इन दिनों कैंसर की जंग लड़ रही मशहूर अभिनेत्री हिना खान पर बिल्कुल सटीक बैठती है। अपने काम से दर्शकों से दिलों में जगह बनाने वाली हिना खान ने सोचा भी न होगा कि जिंदगी उन्हें इतना मुश्किल दौर दिखाएगी। कैंसर के सामने अपने हौंसलों के दम पर खड़ी 2 अक्टूबर 1987 को जन्मी हिना खान बुधवार को अपना 37वां जन्मदिन मनाएंगी।

हिना खान हमेशा से ही अपने फैंस के साथ सोशल मीडिया पर जुड़ी रहती है, जब से उनके फैंस को उनके कैंसर के बारे में पता चला तो वह बेहद ही चिंतिंत रहते हैं। अपने फैंस की इन्हीं फीलिंग्स का ध्यान रखते हुए वह अपनी हेल्थ अपडेट अपने फैंस के साथ शेयर करती रहती है। हाल ही में हिना ने अपने चाहने वालों के साथ अपने सिर के बाल पूरी तरह से कटवाने का वीडियो भी शेयर किया था।

वैसे तो हिना को शुरू से ही एक्टिंग में दिलचस्पी थी मगर वह बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स करने के बाद मुंबई चली आई। वह एयर-होस्टेस बनना चाहती थी, मगर इस दौरान वह बीमार पड़ गई, और वह ट्रेनिंग एकेडमी में नहीं जा पाई। मगर होता वही है जो आपकी किस्मत में लिखा होता है। आखिरकार हिना ने एक्टिंग के क्षेत्र में कदम रख ही लिया।

टीवी में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' शो के जरिए हिना ने दर्शकों के बीच अपने काम से एक अलग पहचान बनाई। हिना ने अपने हर किरदार को बड़ी ही खूबसूरती से स्क्रीन पर उतारा, ऐसे जैसे एक्टिंग उनकी नसों में दौड़ती हो। उनके फैंस हमेशा ही उनकी एक्टिंग और सुंदरता की तारीफ करते हैं। नेचर से बेहद बोल्ड हिना आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। हाल ही में उन्होंने पंजाबी फिल्म इंस्ट्री में भी कदम रखा। वह कई म्यूजिक वीडियो में भी नजर आ चुकी हैं।

अपने काम के अलावा हिना कितनी हिम्मत वाली है शायद यह सभी को उनके कैंसर की खबरें सामने आने के बाद पता चला। हिना ने अपने कैंसर की खबर खुद अपने फैंस के साथ शेयर की। वह इस गंभीर बीमारी से बिल्कुल भी नहीं घबराई और आज वह कैंसर की इस जंग से लड़ने के लिए कीमोथेरेपी करा रही है।

नमस्कार, प्रणाम, मैं अब ठीक हूं, गोली निकाल ली गई, गोविंदा ने जारी किया ऑडियो संदेश

मुंबई, । बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता गोविंदा को मंगलवार सुबह गोली लग गई। उन्हें उनकी ही बंदूक से गोली लगी, जिससे वह घायल हो गए। गोली लगने के बाद उन्हें इलाज के लिए सीआरआईटीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के डॉक्टर ने गोविंदा के

पैर से गोली निकाल दी है। अभिनेता गोविंदा ने खुद एक ऑडियो संदेश जारी कर इस बात की जानकारी दी। अभिनेता गोविंदा एक ऑडियो संदेश जारी कर कहा, नमस्कार, प्रणाम, मैं हूं गोविंदा। आप सभी लोगों, मां-बाप के आशीर्वाद और गुरु की कृपा से मैं ठीक हूं। मुझे गोली लगी थी, जिसे निकाल दिया गया है। मैं धन्यवाद देता हूं, यहां के डॉक्टर का और आप सभी लोगों की प्रार्थना के लिए आप सभी का धन्यवाद, प्रणाम।

बता दें कि मंगलवार सुबह 4.45 बजे अभिनेता गोविंदा कहीं जाने के लिए घर से निकल रहे थे। इसी दौरान कथित तौर पर बंदूक संभालते वक्त उनसे मिस फायर हो गया और उनके पैर में गोली लग गई। घटना के बाद तुरंत उन्हें इलाज के लिए सीआरआईटीआई अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। गोविंदा के साथ हुई इस घटना की जानकारी सामने आते ही उनके फैंस काफी परेशान हो गए। लोग उनकी सलामती के लिए दुआ और प्रार्थना करने लगे।

बता दें कि गोविंदा ने कई फिल्मों में शानदार अभिनय किए हैं। वह कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, छोटे सरकार, हद कर दी आपने जैसी फिल्मों में बतौर मेन लीड काम कर चुके हैं।

मेरी फिल्मों की तरह मेरा संगीत भी किसी फॉर्मूले में बंधा नहीं है- आयुष्मान

मुंबई, । बॉलीवुड के सुपरस्टार आयुष्मान खुराना ने इंटरनेशनल म्यूजिक डे पर अपने गानों को लेकर खुलकर बात की। अभिनेता ने कहा कि मेरी फिल्मों की तरह मेरा म्यूजिक भी किसी फॉर्मूले में बंधा नहीं है।

ड्रीम गर्ल में अपने मजेदार किरदार से लोगों का दिल जीतने वाले आयुष्मान ने अपने गानों के बारे बताया, मेरी फिल्मों की तरह, मेरा संगीत भी किसी फॉर्मूले में बंधा हुआ नहीं है। मैं एक कलाकार होने के नाते कोई खास रूल फॉलो नहीं करता और न ही कभी करना चाहता हूं। मैंने अपने संगीत के माध्यम से हमेशा अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति के साथ न्याय करने की कोशिश की है और मुझे खुशी है कि लोगों ने इसे स्वीकार किया है और मुझे इतना प्यार दिया है।

अभिनेता ने कहा कि जब भी वह कुछ बनाते है तो वह बेहद अलग और अनोखा होता है।

बरेली की बर्फी फेम अभिनेता ने

कहा, हर बार कुछ नया बनाना, दूसरों की तरह न करना, किसी ट्रेंड को फॉलो करने के जाल में न फंसना, मेरे लिए बेहद ही रोमांचक चीज है। अगर संभव हो तो मैं एक ट्रेंड सेट करना चाहूंगा। मेरी फिल्में और मेरा संगीत हमेशा इस विश्वास को बनाए रखेंगी जो मैं खुद के लिए रखता हूं।

आयुष्मान जल्द ही जचदी ट्रैक में नजर आएंगे। अभिनेता ने कहा कि इस गाने के लिए वह अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकले हैं। आयुष्मान ने कहा, ढोल की थाप के साथ इस गाने का पंजाबी म्यूजिक त्योहार के जोश में और रंग भर देगा। मुझे पूरा यकीन है कि यह गाना नवरात्रि में लोगों को थिरकने पर मजबूर कर देगा। मैं अपने आप को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे फिल्मों और अपने संगीत के लिए दर्शकों का बेहद प्यार मिला है। मेरे प्रयासों में निरंतर सहयोग देने के लिए मैं सभी का शुक्रिया अदा करता हूं। अभिनेता ने आगे कहा, मेरे जीवन के उतार-चढ़ाव में संगीत हमेशा से मेरा साथी रहा है। ये वो चीज है, जिससे मैं हर रोज गुजरता हूं। मैंने जचदी में अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलकर काम किया है। इसमें पंजाबी धुनों को गरबा बीट्स के साथ मिलाना बेहद खास है। मैं आगे भी अलग-अलग चीजें करता रहूंगा।

यात्रा के दौरान ' खास कॉफी फिल्टर' रखते हैं ताहिर राज भसीन

मुंबई, । अंतरराष्ट्रीय कॉफी दिवस पर अभिनेता ताहिर राज भसीन ने अपनी पसंदीदा कॉफी के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यात्रा के वक्त वह दक्षिण भारतीय कॉफी फिल्टर का उपयोग करते हैं। आईएएनएस से बात करते हुए ताहिर राज भसीन ने कहा, हां, मैं अपनी कॉफी खुद बनाता हूं। मुझे लगता है कि कुन्नूर की डार्क रोस्ट स्पेशलिटी कॉफी मेरी पसंदीदा है। घर पर और यात्रा के दौरान मैं दक्षिण भारतीय कॉफी फिल्टर का उपयोग करता हूं जो पोर्टेबल है, (इसे) बिजली की जरूरत नहीं है और इसका उपयोग करना बहुत आसान है। अंतर्राष्ट्रीय कॉफी दिवस हॉट कप्पा को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है, जो सिर्फ कैफीन बढ़ाने से कहीं अधिक प्रदान करता है। ताहिर ने बताया कि उन्हें मीडियम डार्क रोस्ट कॉफी पसंद है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा सेट पर अपने दिन की शुरुआत कॉफी से करता हूँ। मेरी वैनिटी वैन में कॉफी की खुशबू दिन भर के लिए मेरा टेम्पो सेट कर देती है। और श्वेता त्रिपाठी भी कॉफी के मुरीद हैं और इस के दौरान हमने कई दोपहर कॉफी पी कर बिताईं।

गरमागरम चाय या कॉफी पीने से बेहतर कुछ नहीं है, और मनाली इसके लिए एकदम सही जगह थी। अभिनेता को आखिरी बार सुपर्ण वर्मा द्वारा लिखी और मिलन लूथरिया द्वारा निर्देशित पीरियड क्राइम थ्रिलर टेलीविज़न सीरीज सुल्तान ऑफ दिल्ली में देखा गया था।

विविध

करियर में कामयाबी के हैं कारगर मंत्र

हर कोई सफलता की ऊंचाइयों को छूना चाहता है और यह हर किसी का हक भी है। बहुत से लोग गलत योजना के कारण इसमें पीछे रहते हैं। अगर सही तरीके से योजना बनाई जाए और खुद में सार्थक बदलाव लाएं तो कामयाबी कदम चूमती है। ऑफिस हो या घर सार्थक बदलाव की दरकार हर जगह होती है। जब आप इसकी कोशिश करते हैं, तो सही मायने में आप कुछ पॉजिटिव कर रहे होते हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि इसके जरिए ही आप प्रमोशन, सैलरी हाइक या करियर की ऊंचाइयों को हासिल कर सकते हैं। इसके लिए आपको इन बातों पर गौर फरमाने की जरूरत है।

❑ ***सीखने को रहें तैयार-*** वर्क प्लेस या घर पर खुद को ऐक्टिव रखें और हमेशा सीखने को तैयार रहें। इससे आप सार्थक बदलाव लाने में समर्थ होते हैं। इसके लिए यह भी जरूरी है कि आप अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलें। अपने सपनों को जिंदा रखें। ऐसा करने के दौरान आपको हर रोज नई चीजों को सीखने की जरूरत होती है। आप काम और इससे परे बहुत सारी चीजों को पढ़ने की कोशिश कर। एसा करन पर आप अपना साच का विस्तार दे सकते हैं। आप जीवन में मिलने वाले हर मौके को भुनाने की कोशिश में रहें।

❑ ***समय सीमा में बदलाव लाने की कोशिश करें***

एक लिस्ट तैयार करें। इसे अमल में लाएं। टारगेट फिक्स करने के बाद अपना सही आकलन करना भी जरूरी है। आप अपने सुबह, दोपहर, शाम के काम पर नजर रखें। हो सके तो सार्थक बदलावों को महसूस करते हुए उसे लिखने की कोशिश करें। एक बात और जरूरी है कि इसके लिए समय सीमा का निर्धारण करें।

❑ ***विजन है जरूरी-***

खुद में सार्थक बदलाव लाने के लिए अपने विजन को क्लियर रखें। आपसे बेहतर आपके भविष्य के बारे में कोई नहीं सोच सकता है। वर्क प्लेस पर आपको कहां और कितनी सुधार की जरूरत है, इसके बारे में आपसे बेहतर कोई और नहीं जान सकता है।

इसलिए बिना समय गंवाए अपनी कमियों को दूर करने की कोशिश करें। इस दिशा में आप वर्कप्लेस पर बॉस की मदद ले सकते हैं।

❑ ***सोशल मीडिया का इस्तेमाल-*** धीरे-धीरे सोशल मीडिया का महत्व बढ़ता ही जा रहा है। यहां पर आपको खुद को मजबूती के साथ पेश करने की जरूरत है। आज के दौर में जॉब्स से लेकर बेहतर प्लेसमेंट तक में इसकी भूमिका अहम हो चली है।

इससे आप अपने सोशल रिलेशन को आसानी से डिवेलप कर सकते हैं। आप बेहतर जॉब की चाहत रखते हैं और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, तो सोशल मीडिया आपके लिए उपयोगी साबित हो सकता है।

❑ ***बचाएँ कार बीमा करने पर सच को स्वीकार करें-***

सच को स्वीकारना खुद में बड़ी बात है। इसके लिए आप खुद को वास्तविकता से जोड़ें। सफलता हासिल करने के लिए झूठ का इस्तेमाल करने पर तत्काल फायदा नजर आ सकता है, लेकिन इसके दूरगामी परिणाम सही नहीं होते हैं।

इसलिए हमेशा ही सच का साथ दें। बड़े ब्रैंड सच पर ही भरोसा जताते हैं। आपको यह फैसला लेना है कि अगले पांच साल में आप खुद को कहां देखना चाहते हैं।

इसके लिए जी जान से जुट जाएं। याद रखें आप जितनी जल्दी से सार्थक बदलाव खुद में ला पाएंगे, सफलता के उतने ही करीब पहुंच सकेंगे।

...स्वरोजगार के लिए बेहतरीन विकल्प है फ्रेंचाइजी

एक वक्त था जब नौकरी के लिए पे-लिखे लोगों की रूरत थी, पर मंदी के दौर ने ऐसा माहौल बना दिया है कि पे-लिखे लोगों को भी नौकरी पाने के लिए खाक छानना प रहा है. हालात इस कदर खराब हो रहे हैं कि लोगों की हाथ आई नौकरियां भी छूट रही हैं।

ऐसे में फ्रेंचाइजिंग इंडस्ट्री में हाथ आजमाना एक बेहतर विकल्प हो सकता है. भारत में फ्रेंचाइजी उद्योग चालीस प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से विकसित हो रहा है. अनुमान लगाया जा रहा है कि शिक्षा से लेकर हॉस्पिटैलिटी और हेल्थ केयर में 850 फ्रेंचाइजर और तरीबन 60,000 फ्रेंचाइजी हैं.

ानूनी तौर पर हमारे देश में फ्रेंचाइजी-संबंधित करार इंडियन कॉन्ट्रैक्ट एक्ट, 1872 और द स्पेसिफिक रिलीफ एक्ट, 1963 के अधीन आते हैं. कॉरपोरेट जगत में काम करने वाले लोगों की नौकरियां बी संख्या में जा रही हैं और हर कोई कुछ ऐसा ढूंढ रहा है जिसमें निरंतरता हो, रोजी-रोटी का स्थाई और पुख्ता जुगा हो. ऐसे में किसी कंपनी की फ्रेंचाइजी लेकर शोहरत और पैसा कमाना एक बेहतरीन ऑप्शन है, जहां आप मालिक खुद होते हैं और किसी बॉस या कुलीग की झिक-झिक भी नहीं सुननी पती है. भौगोलिक और सांस्कृतिक दृष्टि से हमारा देश काफी समृद्ध है. इस लिहा से यहां के शहरों में फ्रेंचाइजी के खुले अवसर बपैमाने पर मौजूद हैं. यह क्षेत्र कम निवेश और कम जोखिम के साथ बेहतर लाभ देने वाला है, इसलिए कई विदेशी कंपनियां भारत में अपने आउटलेट खोलने की योजना बना रही हैं. ऐसे में ग्लोबल

कंपनियों से साझा फ्रेंचाइजी लेकर अपना बिजनेस शुरू करना काफी फायदेमंद हो सकता है।

इससे कंपनी का तो फायदा होता ही है, बेरोजगारी की मार झेल रहे युवकों को भी कमाई का एक अच्छा जरिया मिल सकता है. फ्रेंचाइजी की चाहत रखने वाले लोगों के लिए ऑटोमोटिव, आईटी, हेल्थ व ब्यूटी केयर, रिटेल, बिजनेस सर्विस, फूड एंड बिवरेज, लाइफस्टाइल, एजुकेशन, इंटरटेनमेंट, फाइनेंसियल सर्विस, रियल इस्टेट, ट्रैवल, होटल, मोटल आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें बेहतर संभानाएं हो सकती हैं. कई कंपनियां ऐसी हैं जो अपनी फ्रेंचाइजी कुछ शर्तों सहित मुफ्त देती हैं तो कई के लिए कंपनी को शुल्क अदा करना पता है.

कैसे लें फ्रेंचाइजी

यदि आप अपना खुद का काम शुरू करना चाहते हैं, तो सबसे पहले कार्यक्षेत्र यानी इंडस्ट्री तय कर लें. फिर संभावित व्यय और अपनी आर्थिक सक्षमता का आकलन कर लें।इस बात का ध्यान रखना बेहद आवश्यक है कि किस इंडस्ट्री में किस कंपनी की फ्रेंचाइजी पर कितना पैसा लगेगा और आपकी उसका भार उठा सकते हैं। या नहीं। इसके बाद कंपनी के फ्रेंचाइजर से मिलें. इंटरनेट पर सभी कंपनियों के संपर्क सूत्र दिए होते हैं, जिससे कंपनी के स्थानीय प्रतिनिधि का पता मिल जाता है. फ्रेंचाइजी फीस और अन्य शर्तों पर गौर करने के बाद जिस क्षेत्र के लिए आप फ्रेंचाइजी ले रहे हैं, उसके कारोबार के तरीको आंक लें. इसके बाद अंतिम फैसला आपका ही होगा

पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर इयान बेल का आईपीएल के नए नियमों पर आया रिएक्शन

नई दिल्ली,। बीसीसीआई ने 2025 में होने वाली मेगा नीलामी से पहले आईपीएल खिलाड़ी विनियम 2025-27 की घोषणा की है। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेट इयान बेल ने नए नियमों पर अपने विचार साझा करते हुए दावा किया कि यह निष्पक्ष है लेकिन संतुलन की आवश्यकता है। आईपीएल के नए नियम आने के बाद टूर्नामेंट को लेकर चर्चा काफी तेज हो गई है। टीम किस खिलाड़ी को रिटेन करेगी और किसे नहीं यह मामला काफी रोमांचक हो गया। हालांकि, इसमें सबसे बड़ा फेरबदल विदेशी खिलाड़ियों को लेकर हुए नियमों में बदलाव को लेकर है। इन नियमों पर पूर्व इंग्लिश क्रिकेटर इयान बेल का बयान भी सामने आया है।

इयान बेल ने आईएएनएस से कहा, यह एक उचित नियम है। अगर आपको नीलामी में चुना जाता है और फिर आप नहीं आते हैं तो यह गलत है, क्योंकि टीमें एक रणनीति बनाती हैं, विशिष्ट खिलाड़ियों की भर्ती करती हैं और फिर अगर खिलाड़ी नहीं आता है तो इसे स्टेबल करना काफी परेशानी का सबब है।

इसमें कोई संदेह नहीं है कि आईपीएल खेलने के लिए सबसे अच्छी जगह है, लेकिन सभी खिलाड़ी अपने देश का प्रतिनिधित्व भी करना चाहते हैं। लेकिन में नए नियमों से सहमत नहीं हूं।

नए आईपीएल प्लेयर रेगुलेशन के अनुसार, किसी भी विदेशी खिलाड़ी को बड़ी नीलामी के लिए रजिस्टर कराना होगा। यदि विदेशी खिलाड़ी रजिस्ट्रेशन नहीं कराता है, तो वह अगले वर्ष की खिलाड़ी नीलामी के लिए अयोग्य हो जाएगा।

कानपुर में टीम इंडिया की ऐतिहासिक जीत, जय शाह ने भी की सराहना

नई दिल्ली, । रोहित ब्रिगेड ने कानपुर टेस्ट भी जीत लिया और बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज भी। मेहमान टीम सीरीज के दोनों मुकाबलों में भारतीय धुरंधरों के आगे फ्लॉप रही। टीम इंडिया ने खेल के हर पैमाने पर बांग्लादेश को एकतरफा अंदाज में रौंद दिया। बॉलिंग, बैटिंग और फील्डिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन सराहनीय थी। इस ऐतिहासिक जीत पर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने भी टीम को बधाई दी।

टीम इंडिया ने कानपुर में बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर श्रृंखला पर कब्जा कर लिया और घरेलू धरती पर अपना दबदबा भी कायम रखा। भारत के लिए यह जीत एक अप्रत्याशित स्थिति से आई, जहां खराब मौसम और गीली आउटफील्ड के कारण दूसरे और तीसरे दिन का खेल धुल गया। हालांकि, दो दिन का खेल समय शेष रहने पर टीम इंडिया का मैदान पर अलग अवतार दिखा। रोहित शर्मा और उनकी टीम ने रिकॉर्ड तोड़ बल्लेबाजी की और ड्रॉ की ओर जाते हुए मैच का मुंह जीत की तरफ मोड़ दिया। इस जीत से भारत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की अपनी संभावनाओं को और मजबूत किया। इस ऐतिहासिक जीत पर टीम इंडिया के लिए जय शाह ने एक्स पर एक खास पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, टीम इंडिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2-0 से सीरीज जीत ली। हमारे सभी गेंदबाजों (अश्विन, जडेजा और बुमराह) ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं दिया। जबकि, शुरू से ही हमारे बल्लेबाजों की मंशा और आक्रामकता ने टेस्ट मैच को परिभाषित किया! और अन्य बल्लेबाजों ने भारत को बढ़त दिलाने में शानदार प्रदर्शन किया। यह दृष्टिकोण इस बात का प्रतिबिंब है कि कप्तान रोहित शर्मा और कोच गौतम गंभीर के नेतृत्व में हमारी टीम भविष्य में और शानदार प्रदर्शन करेगी। इंडिया ने टेस्ट सीरीज क्लीन स्वीप की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत नंबर 1 पर बरकरार है और उसकी स्थिति और मजबूत हो गई है। भारत पिछले 12 साल से घर में टेस्ट सीरीज नहीं हारा है और यह टीम की लगातार 18वीं सीरीज जीत है।

भारत ने डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर अपना स्थान किया मजबूत

कानपुर, । बांग्लादेश के खिलाफ 2-0 की टेस्ट सीरीज जीत ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में भारत की शीर्ष पर स्थिति को और मजबूत कर दिया है। कानपुर टेस्ट मैच सात विकेट की जीत के साथ भारत ने अपने अंक प्रतिशत में सुधार करते हुए इसे 74.24 तक पहुंचा दिया, जबकि बांग्लादेश की हार के बाद वह 34.38 प्रतिशत के साथ सातवें स्थान पर है। मेहमान टीम से आगे दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड है, जो क्रमश: पांचवें और छठे स्थान काबिज हैं। ऑस्ट्रेलिया 12 मैचों में आठ जीत के बाद 62.50 अंक प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर है। जबकि श्रीलंका (तीसरे), इंग्लैंड (चौथे) स्थान पर 55.56 और 42.19 अंक प्रतिशत के साथ हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टीम इंडिया ने टेस्ट सीरीज क्लीन स्वीप की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में भारत नंबर 1 पर बरकरार है और उसकी स्थिति और मजबूत हो गई है। भारत पिछले 12 साल से घर में टेस्ट सीरीज नहीं हारा है और यह टीम की लगातार 18वीं सीरीज जीत है। कानपुर टेस्ट तीन दिन बारिश से प्रभावित रहा लेकिन यहां पानी के साथ रिकॉर्डों की भी बारिश हुई।

कानपुर टेस्ट का दूसरा और तीसरा दिन बारिश में धुलने के बाद ऐसा लग रहा था कि ये मैच ड्रॉ हो जाएगा लेकिन टीम इंडिया ने चौथे दिन कुछ ऐसा कारनामा किया जिसने पूरी दुनिया का ध्यान इस मुकाबले पर ला खींचा। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया ने टी20 के अंदाज क्रिकेट फैंस को दिखाया और ड्रॉ होता दिख रहा मुकाबला एकतरफा अंदाज में अपने नाम किया और 7 विकेट से धमाकेदार जीत हासिल की है।

रविचंद्रन अश्विन को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया जबकि यशस्वी जायसवाल को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

ओलंपिक और पैरालंपिक के इन सितारों का हुआ सम्मान, यूपी सरकार ने की पैसों की बरसात

लखनऊ, । पेरिस में देश का मान बढ़ाने वाले एथलीटों को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने सम्मानित किया। मंगलवार को हुए इस सम्मान समारोह में ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों में भाग लेने वाले उत्तर प्रदेश के एथलीट शामिल थे। यह कार्यक्रम लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित हुआ था। जहां इन खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार से नवाजा गया।

पेरिस ओलंपिक में भारत ने कुल 6 मैडल (1 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज) जीता था जबकि, पैरालंपिक में कुल 29 मैडल जीते हैं, जिसमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज थे।

ललित कुमार उपाध्याय (वाराणसी) और राजकुमार पाल (गाजीपुर) कांस्य पदक विजेता भारतीय पुरुष हॉकी टीम के सदस्यों को एक-एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

पारुल चौधरी (मेरठ), प्रियंका (मेरठ), अन्नू रानी (मेरठ), प्राची (सहारनपुर) ने एथलेटिक्स में प्रतिभाग किया। इनमें से प्रत्येक को 10-10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। पैराएथलेटिक्स हाई जम्प टी 64 में स्वर्ण पदक विजेता प्रवीन कुमार (गौतम बुद्धनगर के रहने वाले) को 6 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

पैरा बैडमिंटन एस एल 4 के रजत पदक विजेता सुहास एल वाई (लखनऊ), पैरा एथलेटिक्स जेवलिन एफ 46 के रजत पदक विजेता अजीत सिंह (इटावा) को 4-4 करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला।

प्रीति पाल (मुजफ्फरनगर) ने पैराएथलेटिक्स 100 मीटर एवं 200 मीटर टी 35 में कांस्य पदक जीते। इसके लिए उन्हें 4 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि मिली।

पैराएथलेटिक्स 200 मीटर टी 12 की कांस्य पदक विजेता सिमरन (गाजियाबाद) को 2 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भेंट मिली।

दीपेश कुमार (हाथरस) ने पैरा एथलेटिक्स जेवलिन एफ 54, साक्षी कसाना (गाजियाबाद) ने पैरा एथलेटिक्स डिस्कस एफ 55 तथा यश कुमार (आगरा)ने पैरा कैनाई 200 मीटर के एल-1 में प्रतिभाग किया। इनमें से प्रत्येक को 10-10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई।

साथ ही इन प्रशिक्षकों का भी सम्मान हुआ, जिनमें डॉ.सत्यपाल सिंह, गौरव खन्ना, राकेश कुमार यादव और गजेंद्र सिंह का नाम भी शामिल है।

रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर के अनिमेष कुजूर और लक्ष्मीप्रिया किसान ने दो-दो पदक जीते

पटना, । रिलायंस फाउंडेशन के एथलीटों ने इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण सहित नौ पदक जीते और साथ ही चार मीट रिकॉर्ड भी बनाए। ओडिशा रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर (एचपीसी) के अनिमेष कुजूर (100 मीटर और 200 मीटर) और लक्ष्मीप्रिया किसान (800 मीटर और 1500 मीटर) ने दो-दो पदक जीते। अनिमेष ने दोनों स्प्रिंट दूरियों में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ एथलीट (पुरुष) का पुरस्कार भी जीता। लक्ष्मीप्रिया ने 800 मीटर स्पर्धा में 2:08.70 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता। इससे पहले उन्होंने चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। मौमिता मोंडल ने भी इस साल अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 100 मीटर बाधा दौड़ और लंबी कूद दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीता। मौमिता ने लंबी कूद में 6.27 मीटर की सीजन की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की और बाधा दौड़ स्पर्धा में 13.71 सेकंड में फिनिश लाइन पार की। अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बारे मुख्य कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा, एच पी सी ने शानदार चैंपियनशिप जीती। अनिमेष ने अपनी दोनों रेस बहुत बड़े अंतर से जीतीं। वह शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने सीजन का अंत बहुत अच्छे से किया है।

व्यापार

सभी स्टेंट एक जैसे नहीं होते-हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सामल

बिलासपुर- स्टेंट छोटे लेकिन महत्वपूर्ण उपकरण होते हैं जो धमनी को उस क्षेत्र में खुला रख सकते हैं जहाँ पर संकुचन है। इन्हें एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया में डाला जाता है, या तो दिल के दौरे के इलाज के लिए आपातकालीन स्थिति के रूप में या योजनाबद्ध तरीके से उस धमनी को चौड़ा किया जा सकता है जो वसायुक्त पट्टिका के जमाव के कारण संकुचित हो रही है।

विश्व हृदय दिवस 2024 के अवसर पर अपोलो अस्पताल, बिलासपुर के वरिष्ठ कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ महेंद्र प्रसाद सामल ने यह जानकारी दी।वह बताते हैं यदि धमनी को केवल एक गुब्बारे से फैलाकर खोला जाए (स्टेंट के बिना एंजियोप्लास्टी), तो धमनी पीछे हट सकती है और बाद में पुन: संकीर्ण हो सकती है। पुन: संकीर्ण होने का जोखिम लगभग 30 प्रतिशत है, जबकि स्टेंट के प्रयोग से यह लगभग 10-15 प्रतिशत तक कम हो जाता है। यदि वह स्टेंट × ड्रग-एल्यूटिंग स्टेंट है, तो जोखिम घटकर 2-3 प्रतिशत रह जाता है।

स्टेंट के लिए इस्तेमाल की जाने वाली आम सामग्री स्टेनलेस स्टील, प्लेटिनम क्रोमियम मिश्र धातु और कोबाल्ट-क्रोमियम मिश्र धातु हैं। ये सामग्री धमनी को संरचनात्मक सहायता प्रदान करती हैं।

डॉक्टर कहते हैं वह बताते हैं ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट पैक्लिटैक्सेल जैसी दवाओं से लेपित होते हैं - जो नई कोशिकाओं के विकास को रोकते हैं या धीमा करते हैं। जिससे उपचार प्रक्रिया नियंत्रित होती है और कोरोनरी धमनियों के पुन: संकुचित होने की संभावना कम हो जाती है

वह बताते हैं इसके अतिरिक्त, कुछ स्टेंट में बायोडिग्रेडेबल पॉलीमर कोटिंग होती है जो समय के साथ घुल जाती है, तथा दवा को धीरे-धीरे छोड़ती है। यह दीर्घकालिक एंटीप्लेटलेट थेरेपी की आवश्यकता को समाप्त करता है, जिससे स्टेंट थ्रोम्बोसिस का जोखिम कम हो जाता है, जो स्टेंट लगाने की एक दुर्लभ लेकिन गंभीर जटिलता है।

डॉक्टर कहते हैं कि धमनी को प्रभावी ढंग से खोलने और रक्त प्रवाह में सुधार करने के लिए स्टेंट का आकार सही होना चाहिए, लेकिन यह इतना छोटा भी होना चाहिए कि धमनी को नुकसान न पहुंचे। बड़े समीपस्थ वाहिकाओं और बायीं मुख्य धमनियों के लिए बेहतर दृश्यता और मजबूती के साथ विशेष रूप से निर्मित स्टेंट उपलब्ध हैं हालांकि स्टेंट कोरोनरी धमनी रोग के उपचार में एक मूल्यवान उपकरण है, लेकिन सभी स्टेंट एक जैसे नहीं होते हैं। सबसे अच्छा प्रकार का स्टेंट निर्धारित करने के लिए अपने डॉक्टर से विकल्पों पर चर्चा करना महत्वपूर्ण है

स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और धूम्रपान न करने से हृदय रोग की रोकथाम संभव है

दुनिया भर में लगभग 18 मिलियन हृदय रोग के मामलों को स्वस्थ आहार अपनाने, नियमित व्यायाम करने और धूम्रपान न करने से रोका जा सकता है। यह बात छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित एलीट मेडिसिटी हॉस्पिटल के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीब लोचन भांजा ने विश्व हृदय दिवस 2024 के अवसर पर कही।

उन्होंने कहा, भले ही किसी व्यक्ति के परिवार में हृदय रोग का इतिहास रहा हो, फिर भी चिकित्सा में हुई अविश्वसनीय प्रगति के कारण हम हृदय रोग की रोकथाम और उपचार कर सकते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया भर में हृदय रोग मृत्यु का एक प्रमुख कारण है, जिसने 2019 में 17.9 मिलियन लोगों की जान ले ली, इनमें से तीन-चौथाई मौतें निम्न और मध्यम आय वाले देशों में हुईं। हृदय संबंधी बीमारियों से होने वाली इन

मौतों में से 85 प्रतिशत मौतें दिल के दौरे और स्ट्रोक के कारण हुईं। जोखिम कारकों में अस्वास्थ्यकर आहार, कम शारीरिक गतिविधि, धूम्रपान, शराब और प्रदूषण शामिल हैं।

अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन जैसे उद्योग संबंधी दिशानिर्देश यह सलाह देते हैं कि रक्तचाप की जांच 20 वर्ष की आयु से शुरू की जाए तथा हर वर्ष कराई जाए। उच्च रक्तचाप से हृदय रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन आमतौर पर इसके कोई लक्षण नहीं होते, तथा इसकी पुष्टि के लिए माप की आवश्यकता होती है।

डॉ. भांजा का कहना है कि मरीजों को कम से कम हर पांच साल में अपने कोलेस्ट्रॉल की जांच करानी चाहिए, तथा यदि जोखिम कारक मौजूद हों तो अधिक बार जांच करानी चाहिए। इसके अलावा, उनके बॉडी मास इंडेक्स का मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि उनका शरीर का वजन स्वस्थ है या नहीं, और उनके रक्त शर्करा के स्तर को मापा जाना चाहिए ताकि यह देखा जा सके कि उन्हें मधुमेह का खतरा है या नहीं। डॉ. भांजा ने कहा कि महिलाओं में अतिरिक्त जोखिम कारक होते हैं, महिलाओं में हम 10 वर्ष का लिंग अंतर कहते हैं। महिलाओं में 10 साल का लैंगिक अंतर होता है। एस्ट्रोजन के कारण, उन्हें 60 की उम्र में दिल की बीमारी होने की संभावना होती है, जबकि पुरुषों को 50 की उम्र में दिल की बीमारी होती है। हालांकि, मधुमेह होने से महिलाओं के लिए यह अंतर खत्म हो जाता है। गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप या मधुमेह भी महिलाओं में शुरुआती हृदय रोग के लिए प्रमुख जोखिम कारक हैं।

स्टैंडर्ड कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड ने शून्य कॉस्ट ईएमआई पेश की

एक प्रमुख गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, जिसने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को बढ़ावा देने के लिए एक नई फंडिंग योजना शुरू की है। यह योजना कंपनियों को ग्रीन ऊर्जा समाधान अपनाने में मदद करेगी, जिससे ऊर्जा का उपयोग और भी टिकाऊ और किफायती हो सके।

भारत की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रयासों के अनुरूप, स्टैंडर्ड कैपिटल का फंडिंग उन परियोजनाओं के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करेगा जो सौर पैनल और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली स्थापित करते हैं। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, 2023 तक 68 गीगावॉट से अधिक सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। यह प्रयास देश के 2030 तक 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के

बड़े लक्ष्य का हिस्सा है।

स्कूलों और हाउसिंग सोसाइटी में स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के लिए शून्य लागत ईएमआई

इस पहल का मुख्य आकर्षण शैक्षणिक संस्थानों और हाउसिंग सोसाइटी के लिए बनाया गया शून्य लागत ईएमआई वित्तपोषण योजना है, जो हरित ऊर्जा समाधान अपनाने को और अधिक सुगम और सस्ती बनाता है। शून्य लागत ईएमआई योजना एक अनूठी, ब्याज-मुक्त पुनर्भुगतान संरचना प्रदान करती है, जिससे संस्थानों पर वित्तीय बोझ कम होता है और टिकाऊ ऊर्जा के व्यापक उपयोग को सक्षम बनाया जाता है। इस सेवा के द्वारा, स्टैंडर्ड कैपिटल शैक्षणिक और आवासीय क्षेत्रों में ग्रीन ऊर्जा आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बोर्ड ने 1-10 स्टॉक स्प्लिट को दी मंजूरी

मुंबई सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज लिमिटेड जो कि रासायनिक और फार्मास्युटिकल व्यवसाय में अग्रणी नाम है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने कंपनी के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन / स्टॉक स्प्लिट के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस प्रस्ताव के तहत 1 शेयर को विभाजित कर 10 शेयरों में परिवर्तित किया जाएगा, जो कि शेयरधारकों की मंजूरी और अन्य आवश्यक अनुमोदनों पर निर्भर है।

हाल ही में, कंपनी ने एक नई सहायक कंपनी सुदर्शन मेवन फार्मा प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की है। इस सहायक कंपनी का मुख्य उद्देश्य सभी प्रकार की फार्मास्युटिकल्स, स्वास्थ्य संबंधी, आयुर्वेदिक और आहार अनुपूरक उत्पादों का निर्माण, फॉर्मूलेशन, प्रोसेसिंग, विकास, परिष्करण, आयात और निर्यात करना है, इसके अलावा विविध अन्य उत्पाद भी शामिल हैं।

इससे पहले, जुलाई महीने में, कंपनी ने अपने प्रमोटरों को परिवर्तनीय वारंट्स के जारी करके धन जुटाने की मंजूरी दी थी।

सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज लिमिटेड (स्क्रृत) रासायनिक और फार्मास्युटिकल उद्योग में एक प्रमुख नाम बन गया है। यूरोप और खाड़ी देशों में अंतराष्ट्रीय व्यापार मेलों और प्रदर्शनियों में नियमित भागीदारी के साथ, सुदर्शन फार्मा इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपनी वैश्विक उपस्थिति को लगातार मजबूत कर रही है। नवाचार और मूल्य निर्माण के प्रति प्रतिबद्ध रहते हुए, कंपनी रासायनिक उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने और लंबे समय में फॉर्च्यून 500 कंपनियों में शामिल होने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है।

स्वामी ,मुद्रक ,प्रकाशक ,संपादक -ब्रजेश शुक्ला c/o के. के. शर्मा पत्रकार कॉलोनी, रिंग रोड नं.2 कस्तूरबा नगर बिलासपुर (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल-dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com

स्थानीय सीमेंट संयंत्र अंबुजा अडानी शासकीय नियम कानून को ताक में रख कर श्रमिक हकों की कर रही अवहेलना

इंटक यूनियन के पदाधिकारियों द्वारा कारखाना प्रबंधन को सौपा गया ज्ञापन- अंबुजा अडानी के द्वारा संयत्र के श्रमिकों पर शोषण का लगाया गया आरोप, कहा श्रमिकों की जिम्मेदारी को अनदेखा कर रहा प्रबंधन

अर्जुनी। स्थानीय सीमेंट संयंत्र में मजदूरों के मांगों को लेकर इंटक यूनियन के पदाधिकारीयों द्वारा कारखाना प्रबंधन को ज्ञापन सौंपा गया है । ज्ञापन में मजदूरों ने बताया है कि दो माह पूर्व संयंत्र के एच आर एम हेड, ठेकेदार,व मजदूरों के बीच रायपुर स्थित सहायक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) कार्यलय में त्रिपक्षीय वार्ता हुई थी जिसके अंतर्गत मजदूरों के सभी मांगों को दो माह के भीतर पूर्ण करने की बात कही गई थी। परंतु संयंत्र के अधिकारियों के द्वारा दो माह बीत जाने के बावजूद मजदूरों किसी भी मांग पर कोई चर्चा व जवाब नहीं दिया गया है। मजदूरों द्वारा अनेकों बार संयंत्र के अधिकारियों से मामले को सुलझाने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा पैकिंग प्लांट के मजदूरों द्वारा संयंत्र के अधिकारीयों को मौखिक रूप से अवगत भी कराया गया है। परंतु आपके द्वारा मजदूरों की समस्याओं को दूर करने के बजाय आश्वासन देकर टालते रहे। जिससे निराश होकर श्रमिक ना चाहते हुए भी दिनांक 05/10/024 को अनिश्चितकालीन हड़ताल करने के लिए विवश है। मजदूरों ने मांगपत्र में पैकिंग प्लांट टी.सी.जैन के 4 लोडर को 7 माह पूर्व काम से निकाल दिया गया था उसे तत्काल कार्य पर वापस लिया जाए।

पैकिंग प्लांट लोडर एवं ऑपरेटर द्वारा टन और अलाउंस को अलग-अलग करने पिछले एक वर्ष से मांग किया गया था।, पैकिंग प्लांट महाराजा ग्रुप एवं गणेश एण्ड विजय शर्मा ठेका श्रमिकों को 8 घंटा शिफ्ट ड्यूटी दिया जाए,कालीग ड्यूटी बंद किया जाए।, पैकिंग प्लांट के क्लोजर कार्य के लिए अलग से श्रमिक रखा जाए।, समस्त ठेका श्रमिकों को वार्षिक वेतन वृद्धि एवं पदोन्नति का लाभ दिया जाए। माइंस ठेकेदार सतकरतार के डंपर, पीसी, डोजर, चालक ऑन को अलाउंस दिया जाए। प्रोडक्शन विभाग ठेका श्रमिकों को आल अलाउंस का लाभ दिया जाए। माइंस के ठेका श्रमिकों को एयरसेल एस.एल. छुट्टी का लाभ दिया जाए।

समस्त ठेका श्रमिकों को हॉलीडे अवकाश एवं ई.एल.व सी.एल छुट्टी का लाभ दिया जाए। सभी श्रमिकों को साल 2023-024 की सालाना बोनस 20% दिया जाए। सभी ठेका श्रमिकों को पंचिंग, गेट पास,पेमेंट स्लिप युक्ती की प्रमाण पत्र श्वस्ढ्ढष्ट कार्ड,पी.एफ नंबर, बैंक खाते में पेमेंट दिया जाए। हर माह 10 तारीख को पेमेंट दिया जाए। संयंत्र के भीतर सभी व विभागों के कार्य स्थल जैसे कन्वेयर बेल्ट,

प्लेटफॉर्म सीडी छावनी सीट मैटेरियल शिफ्टिंग एवं सभी ऊंचाई वाले स्थान को अतिरिक्त मटेरियल जमा है उसे तत्काल सफाई करवाएं जिससे श्रमिक दुर्घटनाग्रस्त ना हो । पैकिंग प्लांट लोडर घनश्याम वर्मा जो की 1 वर्ष पूर्व बी पाली ड्यूटी से घर जाते समय प्लांट से लगभग 100 मी की दूरी पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसका इलाज के अभाव में एक पैर काटना पड़ा है जबकि श्रमिक का घर आते जाते समय 30 मिनट की जिम्मेदारी नियमानुसार कंपनी की होती है। परंतु आपके द्वारा आज तक उसे इलाज खर्च नहीं दिया गया है। मजदूर को इलाज खर्च व काम पर रखा जाए। समस्त ठेका श्रमिकों को श्वस्ढ्ढष्ट के दायरे से सालाना 3 लाख मेडिक्लेम का लाभ दिया जाए।

मजदूरों ने ज्ञापन देते हुए कहा कि 5 तारीख को मजदूरों द्वारा टूल डाउन किया जाएगा जब तक संयंत्र के अधिकारी मजदूरों के मांगों को पूरा नहीं करते तब तक अनिश्चितकालीन हड़ताल रहेगी।

शांति नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के मकानों को खाली कराया जाएगा

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत शांति नगर क्षेत्र में रतना बिल्डर्स के ईडब्लूएस भूमि पर निर्मित 36 प्रधानमंत्री आवासों का आबंटन लाटरी पद्वति से दिनांक 03.10.2024 किया जाना है। आबंटित किये जाने वाले मकानो का निरीक्षण करने आयुक्त बजरंग दुबे, नोडल अधिकारी प्रधानमंत्री आवास एवं अन्य अधिकारियों को लेकर मौके पर पहुंचे। स्थल पर 06 ऐसे मकान थे जिसे अन्य व्यक्तियों द्वारा अवैध कब्जा कर रखा था। जिसे खाली कराने के निर्देश आयुक्त ने अधिकारियो को दिये है। अधिकारियो द्वारा कब्जाधारियो को 3 से 4 बार नोटिस भी जारी किया गया है। उसके बाद भी उनके द्वारा मकान खाली नहीं किया गया है। दिनांक 02.10.2024 को निगम प्रशासन, पुलिस बल एवं तोड़फोड़ दस्ता के साथ अवैध कब्जा को खाली कराने की कार्यवाही की जावेगी। मकान नीलामी की प्रक्रिया स्थावत होगी।

नगर पालिका कार्यालय में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

सफाई कामगार सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का किया गया आयोजन हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

किरंदुल। स्वच्छ भारत अभियान स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई मित्र सुरक्षा शिविर लगाकर स्वच्छता दीदीओ एवं सफाई कामगारों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया।

ज्ञात हो 17/9/2024 से 2/10/2024 तक स्वछता से संबंधित कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत नगर पालिका परिषद किरंदूल कार्यालय के प्रांगण में नगर पालिका के सफाई मित्र सुरक्षा शिविर का आयोजन किया गया एवं केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के योजनाओं के बारे मे अवगत कराया गया जिसमें निकाय के समस्त स्वच्छता दीदियाँ स्वच्छता कमांडो एवं सफाई कर्मचारी गण का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

उक्त शिविर मे मुख्यमंत्री स्वास्थ्य स्लम योजना वाहन के माध्यम से 112 से भी अधिक लोगो का स्वास्थ परिक्षण किया गया जिसमे बीपी, शुगर , ई सी जी एवम अन्य जांच किया एवम दवाई का वितरण किया गया.

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष मृणाल राय, सहायक राजस्व निरीक्षक गौरीशंकर तिवारी, लेखापाल विनीत साव,मिलिंद बारीक पी आई यू, एरिया प्रोजेक्ट मैनेजर राजेश सोनी, मनीषा ठाकुर, डॉक्टर अब्दुल सुकुर, फार्मासिस्ट श्वेता बंदोपाध्याय, लेब टेक किरण देवांगन नर्स योगेश्वरी ठाकुर ड्राइवर रमेश तामो , नागेश चौरे,लोमन सिन्हा , नागेश डी पी पात्रा,आदि मौजूद रहे.

कांग्रेस अध्यक्ष बैज की न्याययात्रा अभनपुर विस से गुजरी, पूर्व विधायक धनेन्द्र साहू सहित पार्टी कार्यकर्ता हुए शामिल

नवापारा राजिम। छत्तीसगढ़ प्रदेश में व्याप्त बदहाल कानून व्यवस्था, सामाजिक सौहार्द को खत्म करने के षड्यंत्र, प्रदेश की जनता की हक की लड़ाई के लिए और सरकार की नाकामी को जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में निकाल रही हैं.

कांग्रेस की छत्तीसगढ़ न्याय यात्रा के पांचवे दिन न्याय यात्रा रायपुर ग्रामीण विधानसभा के सारागांव से निकलकर सड्डू तक चली।

सारागांव से सड्डू तक यात्रा में ग्रामीणों तथा क्षेत्रवासियों द्वारा मंच बनाकर जगह-जगह न्याय पद यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा के पांचवे दिन मे अभनपुर विधानसभा मे प्रवेश हुआ जहाँ धनेंद्र साहू पूर्व विधायक के नेतृत्व में अभनपुर विधानसभा से सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता गण इस यात्रा मे सम्मिलित हुए। उक्त यात्रा का समापन गाँधी मैदान रायपुर मे. होना हैं.

जिसमे भी बड़ी संख्या मे अभनपुर सहित पुरे प्रदेश के पार्टी कार्यकर्त्ता उपस्थित रहेंगे. उक्त न्याय यात्रा के दौरान नवापारा से नपा उपाध्यक्ष सरदार जीत सिंग, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ शर्मा, जिला उपाध्यक्ष चंद्रहास साहू, जिला कांग्रेस सचिव रामा यादव, गोपेश ध्रुव, गिरधारी साहू, भोला सोनवानी, अजय साहू, निर्माण यादव, अनूप खरे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन शामिल हुए

हजारों छात्र-छात्राओं ने प्रतिवर्ष 100 घंटे सफाई करने की शपथ लिए

भिलाईनगर। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा अंतर्गत आज शासकीय शकुन्तला विद्यालय, शंकराचार्य इंजीनियरिंग कालेज में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें शकुन्तला विद्यालय, शासकीय स्कूल, शंकरा चार्य इंजीनियरिंग कालेज, डीपीएस स्कूल दुर्ग के छात्र-छात्रा एवं उनके शिक्षक, प्राचार्य, प्रोफेसर आदि की उपस्थिति में वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन द्वारा स्वच्छता शपथ दिलाई गई। सभी ने अपने घर, परिवार, कार्य स्थल से सफाई की शुरूवात करने का संकल्प लिये।

विधायक रिकेश सेन ने बच्चो को संबोधित करते हुए कहा कि लोग पहले कुछ भी खा कर प्लास्टिक, रेपर इधर-उधर सड़को में फेंक देते थे। अब वही बच्चे स्वयं अपने माता-पिता को सचेत करते है। कुड़े, कचरे को डस्ट बीन में ही डालने के लिए प्रेरित करते है। स्वच्छता से जुड़कर बच्चे स्वयं जागरूक हुए, अपने परिवारो एवं दुसरे लोगो को भी जागरूक कर रहे है। कार्यक्रम के दौरान गुब्बारा उड़ाकर स्वच्छता का संदेश दिये गये। कार्यक्रम के अंत में स्वच्छता स्लोगन लिखकर सभी ने हस्ताक्षर किये एवं हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम संचालित हुआ।

कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा, पूर्व अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी राजेश चैहान, स्वास्थ्य अध्यक्ष लक्ष्मीपति राजू, आयुक्त बजरंग दुबे, शकुंतला विद्यालय के डायरेक्टर संजय ओझा, अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी,जोन आयुक्त सतीश यादव, येशा लहरे, अजय सिंह राजपूत, स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली, जनसम्पर्क अधिकारी अजय शुक्ला, अभियंता अरविंद शर्मा, स्वेता महेश्वर जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा अंकित सक्सेना इत्यादि उपस्थित रहे। विद्यालय एवं महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं स्पोर्ट्स ऑफिसर इत्यादि उपस्थित रहे अंत में विधायक रिकेश सेन ने स्वच्छता जागरूकता के लिए कन्या शाला वैशाली नगर में जाकर बच्चो के साथ मिलकर सफाई भी किये।

02 अक्टूबर को स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े का भव्य समापन-निगम भिलाई में

भिलाईनगर। शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ 17 सितम्बर से प्रारंभ कर 02 अक्टूबर तक किया जाना था। जिसके अंतर्गत नगर पालिक निगम भिलई क्षेत्र में दिनांक 17 सितम्बर से लेकर 02 अक्टूबर तक अनवरत शासन से प्राप्त मार्गदर्शन अनुसार कार्यक्रम किये गये। 02 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन कार्यक्रम का समापन नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय परिसर में रखा गया है। सनद रहे कि 02 अक्टूबर 1914 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता अभियान की शुरूवात किये थे, जो अनवरत जारी है। इस कार्यक्रम से जुड़कर ही हम स्वच्छता के प्रति जागरूक हुए। साथ ही भिलाई शहर के हर नागरिक इसके महत्व को समझे और प्रतिज्ञा लिए की स्वच्छता ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है, हम सब इसमे अपना भरपूर सहयोग देगे। भिलाई शहर को देश को सबसे बड़ा स्वच्छ शहर बनाने में अपनी सहभागीता निभाएंगे। निगम आयुक्त बजरंग दुबे ने सभी जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको, सामाजिक एवं अध्यात्मीक संगठनो से अपील किये है कि आप सब 02 अक्टूबर सुबह 9:30 बजे नगर निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय में सह-सम्मान उपस्थित हो।

गांधी जयंती के दिन सत्याग्रह पदयात्रा कर शिक्षक मांगेंगे अधिकार

राजनांदगांव. पूर्व सेवा गणना मिशन के तहत मोदी की गारंटी को लागू करने की मांग को लेकर प्रदेशभर के शिक्षक कल 2 अक्टूबर गांधी जयंती के दिन राजधानी में सत्याग्रह पदयात्रा कर अपना अधिकार मांगेंगे। पदयात्रा के बाद सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ शिक्षक संघर्ष मोर्चा द्वारा चरणबद्ध आंदोलन किया जायेगा। संघर्ष मोर्चा के जिला संचालक छन्नूलाल साहू एवं सह संचालक अजय कड़व ने बताया कि हमारी मांगों में पूर्ण सेवा गणना करते हुए समस्त एलबी शिक्षक संवर्ग को पुरानी पेंशन, सहायक शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करना, समतुल्य वेतनमान में सही वेतन का निर्धारण, केन्द्र के समान 1 जनवरी 2024 में 4 प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रमुख है।

नवापारा भाजपा किसान मोर्चा ने सोनेसिली में चलाया सदस्यता अभियान, बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने ली पार्टी की सदस्यता

नवापारा राजिम। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा नवापारा मंडल के द्वारा सोमवार को ग्राम सोनेसिली में सदस्यता अभियान चलाया गया, जहाँ किसान मोर्चा के अध्यक्ष चेतन साहू, महामंत्री कैलाश तिवारी, युवा मोर्चा मंत्री द्विज साहू सहित अन्य किसान नेता गाँव के प्रत्येक घरों मे पहुँचे और पार्टी का सदस्य बनाया. किसान मोर्चा के पदाधिकारी इस दौरान ग्रामीणों को पार्टी के रीति नीति से अवगत कराते हुए बीजेपी कार्यकाल मे हुए विकास कार्य के बारे मे भी बता रहे थे. वही देश की बड़ी पार्टी का ग्रामीणो के बीच पहुंचकर उनको अपनी पार्टी मे जोड़ने की बात के चलते बड़ी संख्या मे ग्रामीण भी उत्सुकता के साथ इसकी सदस्यता ग्रहण कर रहे थे. नवापारा भाजपा किसान मोर्चा मण्डल अध्यक्ष चेतन साहू ने कहाकि लोगो मे पार्टी के प्रति जनाधार हैं, लोग देश के प्रधानमंत्री मोदी के कार्यशैली से इतने खुश हैं कि वे स्वयं सहित परिवार के अन्य सदस्यों को भी इसकी सदस्यता दिला रहे हैं. मोर्चा के महामंत्री कैलाश तिवारी व द्विज साहू ने कहाकि मोदी जी के कार्यकाल मे किसानो की आर्थिक स्थिति सुधरी हैं, प्रदेश की वर्तमान साय सरकार ने धान का एकमुश्त पैसा देकर यह प्रमाणित करने का काम किया हैं, भाजपा जो कहती हैं, वह करती भी हैं. उन्होंने बताया कि किसान मोदी कार्यकाल मे समृद्ध हुआ हैं. इस दौरान ग्रामीण सदस्य बनाने के अलावा अन्य मुद्दों पर भी भाजपा नेताओं से चर्चा कर उन्हें अपने सुझाव देते नजर आये. उक्त सदस्यता अभियान मे बड़ी संख्या मे भाजपा किसान मोर्चा व युवा मोर्चा के कार्यकर्त्ता उपस्थित थे.

छत्तीसगढ़ शासन
सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर
जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़)

क्रमांक एफ 3-9/2022/1-11/स्टेशनरी अटल नगर, दिनांक 30/09/2024

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक	वाहन का नाम	वाहन क्रमांक	क्रय वर्ष	निविदा मूल्य
01.	मारूति ओमिनी	CG 02-4545	2004	20,500/-
02.	टाटा इंडिका	CG 02-5584	2013	50,000/-
03.	टाटा इंडिका	CG 02-5585	2013	50,000/-
04.	टाटा इंडिका	CG 02-5587	2013	50,000/-

निविदा फार्म नियम एवं शर्तों की जानकारी कार्यालयीन दिवस में 100.00 (राशि रू. एक सौ मात्र) नगद लेखा शाखा में जमा कर सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण) मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से निविदा फार्म दिनांक 03.10.2024 से 17.10.2024 समय 10.00 बजे से 4.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है। निविदा फार्म दिनांक 17.10.2024 अपरान्ह 2.00 बजे तक जमा की जावेगी। इसके पश्चात् प्राप्त निविदा स्वीकार नहीं किये जायेगें। निविदा उपस्थित निविदाकर्ताओ / प्रतिनिधि के समक्ष सायंकाल 3.00 बजे दिनांक 17.10.2024 को मंत्रालय के समिति कक्ष क्रमांक एस 0-12 में खोली जावेगी। सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग, मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

टीप- 01. निविदा फार्म के साथ अमानत राशि प्रत्येक वाहन के लिए रूपये 5000/- का बैंक ड्राफ्ट अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। नगद राशि स्वीकार योग्य नही होगी।

उप कुल सचिव
छत्तीसगढ़ शासन
जी-242502905/2 सामान्य प्रशासन विभाग (अधीक्षण)

कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)
Email id-cmhobastar@gmail.com/Telephone No. 07782-222281

// खुली निविदा आमंत्रण सूचना//

क्रमांक / निविदा/2024-25/5174 जगदलपुर, दिनांक 26/09/2024

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला-बस्तर, जगदलपुर अंतर्गत निम्नानुसार निविदायें आमंत्रित की जाती है-

1. विभिन्न प्रशिक्षण, समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला के आयोजन अंतर्गत आवश्यक भोजन, चाय, नास्ता, पानी बॉटल के आपूर्ति एवं बैठक/प्रशिक्षण हॉल तथा ठहरने हेतु रूम की उपलब्धता हेतु । (फर्म एवं कार्यस्थल नगर पालिक निगम जगदलपुर शहरी क्षेत्र में स्थापित होना अनिवार्य है।)
2. ढ्ढश्वष्ट अंतर्गत विभागीय प्रचार-प्रसार व प्रिंटिंग कार्य करने के लिए। (जिसका फर्म एवं कार्यस्थल नगर पालिक निगम जगदलपुर शहरी क्षेत्र में स्थापित होना अनिवार्य है।)
3. जिले के 07 विकासखंडों के लिये राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत चिरायु दल के लिए किराये पर चार पहिया वाहन प्रदायगी बाबत। (व्यक्ति / फर्म का कार्यालय बस्तर जिला अंतर्गत स्थापित हो को प्राथमिकता)
4. लेब मटेरियल की आपूर्ति हेतु। (छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत स्थापित किसी भी अधिकृत विक्रेता / पंजीकृत फर्म से)
5. Medicine For Cataract Surgery/Eye Surgical Equipment/Cup Goggle (आपरेशन पश्चात लगने वाला काला चश्मा) के आपूर्ति हेतु । (छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत स्थापित किसी भी अधिकृत विक्रेता / पंजीकृत फर्म से)

निविदा हेतु आवश्यक शर्ते वेबसाईट www.bastar.gov.in में देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र कार्यालय, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.) से कार्यालयीन दिवस पर प्रातः 11.00 से संध्या 4.00 बजे तक प्रत्येक गतिविधियों हेतु पृथक-पृथक राशि रूपये 1000/- (एक हजार रूपये मात्र) निविदा प्रपत्र मूल्य का डिमांड ड्रफ्ट/बैंकर्स चेक जो कि नॉन रिफंडेबल है, जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। डी.डी./ बैंकर्स चेक District Health Society, Bastar, Payable at Jagdalpur के नाम से देय हो स्वीकार किये जावेंगे।

निविदा प्रपत्र बिकी की अंतिम तिथि-	22 अक्टूबर 2024, सायं 4.00 बजे तक
मुहरबंद निविदा पंजीकृत डाक एवं स्पीड पोस्ट, कुरियर द्वारा कार्यालय को प्राप्त होने की अंतिम तिथि-	28 अक्टूबर 2024, अपरान्ह 3.00 बजे तक
निविदा खोले जाने की तिथि-	28 अक्टूबर 2024 को अपरान्ह 4.00 बजे

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जगदलपुर
जगदलपुर, जिला-बस्तर (छ.ग.)
जी- 242502861/2

समाचार संक्षेप

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

रायपुर। पुरानी बस्ती बीरगांव में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार 31 वर्षीय प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी डॉ.विक्रम डडसेना ने प्रार्थिया को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया और बाद में मांग में सिंदूर भरकर शादी भी कर लिया। जिसके बाद आरोपी ने प्रार्थिया को अपने घर से भगा दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर उरला पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अलग-अलग क्षेत्र से दो दोपहिया वाहन पार

रायपुर। अलग-अलग थाना क्षेत्रों से अज्ञात चोर ने दो दोपहिया वाहन पार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार डीडीनगर निवासी अतुल कुमार सोनी 61 वर्ष ने सरस्वती नगर थाना में शिकायत किया कि वह अपनी बाइक क्रमांक सीजी 04 सीजेड 8605 को गोल चौक स्थित अपर संचालक उच्च शिक्षा कार्यालय के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए बाइक की कीमत करीब 7 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। वहीं दूसरे मामले में देवेन्द्र नगर निवासी लक्ष्मीकांत तिवारी 27 वर्ष ने सिविल लाइन थाना में शिकायत किया कि वह अपनी एक्टिवा वाहन क्रमांक सीजी 04 एलटी 9803 को भाटिया नर्सिंग होम के पास खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 20 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। दोनों ही मामलों में पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सरेआम शराब पीते 16 गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्र में सरेआम शराब पीते 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार विधानसभा पुलिस ने बरौदा तालाब के पास सरेआम शराब पीते आरोपी गुलशन जांगड़े 19 वर्ष व आकाश मारकण्डे 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी योगेश कुमार साहू 26 वर्ष व लालाराम याद 27 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह मोवा पुलिस ने आरोपी लल्लन कुमार यादव 40 वर्ष व नवेन्द्र पदमवार 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं कोतवाली पुलिस ने आरोपी बबलू सेंदे 32 वर्ष व रिभष गिरी 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह डीडीनगर पुलिस ने आरोपी राहुल सिंह 28 वर्ष व लोकेश साहू 29 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं खमतराई पुलिस ने आरोपी योगेश बंजारे 32 वर्ष, आरंग पुलिस ने आरोपी पवन निषाद 34 वर्ष एवं गोबरानवापारा पुलिस ने आरोपी जितु बथे 46 वर्ष, टीकम निषाद 38 वर्ष व पुष्पेन्द्र साहू 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं कबीरनगर पुलिस ने आरोपी सोहेल खान 19 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

कार से गांजा तस्करी चार गिरफ्तार

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस के टीम ने मारूति इको कार से गांजा तस्करी करते चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 40 किलो गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के टीम ने मुखबिर की सूचना पर राधा स्वामी नगर प्रकाश मेडिकल के पास इको कार क्रमांक सीजी 04 पीपी 9834 को रोक कर तलाशी लिए, तो उसमें 40 किलो गांजा मिला। मामले में पुलिस ने कार सवार आरोपी संतोष साहू 33 वर्ष, नीरज ताम्रकार, ईतवारी नागरची व तुलेश्वर साहू को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

मुख्यमंत्री ने सूरजपुर में 187 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन व शिलान्यास

रायपुर » दैनन्दिनी.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को सूरजपुर जिले में करोड़ों के विकास कार्यों का भूमिपूजन, शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री साय ने लोक निर्माण विभाग सूरजपुर अंतर्गत 68.7725 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 7 कार्यों का भूमिपूजन-शिलान्यास और 57.1634 करोड़ की लागत से निर्मित 27 कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सूरजपुर अंतर्गत 44.82 लाख की लागत से निर्मित होने वाले 3 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल अंतर्गत 43 लाख की लागत से निर्मित होने वाले 01 कार्य का भूमिपूजन/शिलान्यास और 57.52 लाख की लागत से निर्मित 04 कार्यों के लोकार्पण के साथ ही सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजपुर अंतर्गत 18.6980 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 5 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सूरजपुर अंतर्गत 2.3047 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 18 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास, मुख्य

कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रतापपुर अंतर्गत 2.5559 करोड़ की लागत से निर्मित होने वाले 23 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री साय ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत भैयाथान सूरजपुर अंतर्गत 1.9292 करोड़ की लागत से 16 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यस और 19.82 लाख की लागत से 01 कार्यों का लोकार्पण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामानुजनगर अंतर्गत 1.2553 करोड़ की लागत से 10 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास और 36.18 लाख की लागत से 03 कार्यों का लोकार्पण, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत प्रेमनगर अंतर्गत 1.0759 करोड़ की लागत से 08 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन, सूरजपुर अंतर्गत 12.7529 करोड़ की लागत से 5 कार्यों का भूमिपूजन/शिलान्यास और 10.18 करोड़ की लागत से 03 कार्यों का लोकार्पण, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सूरजपुर अंतर्गत 45 लाख की लागत से 13 कार्यो का भूमिपूजन/शिलान्यास, कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज लिमिटेड अंबिकापुर, अंतर्गत 1.6893 करोड़ की लागत से 05 कार्यों का लोकार्पण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 3.4271 करोड़ की लागत से 2 कार्यों का लोकार्पण, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 1.2096 करोड़ की लागत से 05 कार्यों का लोकार्पण, नगरपालिका परिषद सूरजपुर, अंतर्गत 2.04 करोड़ की लागत से 2 कार्यों का लोकार्पण किया गया।

सिंथेटिक ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़

कई राज्यों में फैला नेटवर्क ध्वस्त, नशे के खिलाफ रायपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

रायपुर » दैनन्दिनी.

रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे निजात अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने सिंथेटिक ड्रग्स के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए कई तस्करों को गिरफ्तार किया है। इस ऑपरेशन में हिमाचल प्रदेश से लेकर दिल्ली तक छापेमारी की गई, जिसमें नाइजीरिया के एक मुख्य तस्कर सहित कुल 7 आरोपी गिरफ्तार किए गए। इस ड्रग्स रैकेट का सरगना नाइजीरियन नागरिक मिस्टर इनोसेंट ओलोचुकु था, जिसे दिल्ली के उत्तम नगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। इस अभियान में कुल 124 ग्राम एम.डी.एम.ए. (कोकीन), 98 एम.डी.एम.ए. टैबलेट्स, चरस, हथियार, मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस की सफलताएँ और गिरफ्तारियाँ- रायपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट (एसीसीयू) और टिकरापारा पुलिस की टीम ने यह कार्रवाई की। इस ऑपरेशन के तहत सबसे पहले 23 सितंबर 2024 को टिकरापारा इलाके में शुभम सोनी (उर्फ पैब्लो एस्कोबार), अभिषेक साहू और सोनू अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया था। इनके पास से 98 नग एम.डी.एम.ए टैबलेट्स, 65 ग्राम एम.डी.एम.ए (कोकीन), चार पैकेट चरस और 16 लाख रुपए की नगदी बरामद की गई थी। इस कार्रवाई के बाद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की, जिससे अन्य तस्करों की जानकारी सामने आई। 25 सितंबर 2024 को पुलिस ने रायपुर के मुख्य सप्लायर आर्यन ठाकरे को भी गिरफ्तार किया, जिसके बाद हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छिपे तस्करों तक पहुंचने का रास्ता साफ हुआ।

पूछताछ के दौरान, आर्यन ठाकरे ने बताया कि वह एम.डी.एम.ए और अन्य ड्रग्स हिमाचल प्रदेश के कसोल स्थित होटल एप्पल पाई के संचालक अमनदीप सिंह छाबड़ा से प्राप्त करता था। छाबड़ा ने यह भी खुलासा किया कि वह चरस की सप्लाई कसोल के अशोक यादव से करता था, जबकि एम.डी.एम.ए और कोकीन की सप्लाई दिल्ली के उत्तम नगर से नाइजीरियन मूल के तस्कर मिस्टर इनोसेंट ओलोचुकु द्वारा की जाती थी। इसके बाद रायपुर पुलिस की टीम ने हिमाचल प्रदेश के कसोल में छापेमारी की और 29 सितंबर 2024 को अमनदीप सिंह छाबड़ा और अशोक यादव को गिरफ्तार किया। इनसे पूछताछ के आधार पर पुलिस ने 30 सितंबर 2024 को दिल्ली के उत्तम नगर में छापेमारी करते हुए नाइजीरियन तस्कर इनोसेंट ओलोचुकु को गिरफ्तार कर लिया। इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने विभिन्न स्थानों से भारी मात्रा में नशीली सामग्री जब्त की।

अभियुक्तों की सूची

इस ड्रग्स नेटवर्क से जुड़े अब तक गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की सूची इस प्रकार है

- शुभम सोनी (उर्फ पैब्लो एस्कोबार) - मुख्य संचालक, रायपुर से गिरफ्तार।
- अभिषेक साहू - ड्रग्स वितरण में शामिल, रायपुर से गिरफ्तार।
- सोनू अग्रवाल - रायपुर में ड्रग्स सप्लायर
- आर्यन ठाकरे - मुख्य सप्लायर, रायपुर
- अमनदीप सिंह छाबड़ा - होटल एप्पल पाई कसोल का संचालक, हिमाचल प्रदेश से
- अशोक यादव - कसोल में चरस सप्लायर, हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार।
- इनोसेंट ओलोचुकु - मुख्य तस्कर, नाइजीरियन नागरिक, दिल्ली से गिरफ्तार।

जब्त की गई सामग्री में शामिल हैं

- 124 ग्राम एम.डी. ड्रग्स (कोकीन)
- 98 नग एम.डी.एम.ए टैबलेट्स
- 4 पैकेट चरस
- एक पिस्टल मय मैगजीन
- 3 स्मार्टफोन
- एक इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीन
- 100 खाली कैप्सूल और कैप्सूल कवर
- 16 लाख रुपये की नगदी

रविवि में आधीरात छात्रों का अर्धनग्न प्रदर्शन

जातिगत भेदभाव का लगाया आरोप

रायपुर » दैनन्दिनी.

पं. रविशंकर शुक्ल विवि के हॉस्टल के छात्र जातिगत भेदभाव करने पर कैंपस में आधीरात अर्धनग्न प्रदर्शन किया। छात्रों ने कहा कि उन्हें प्रताड़ित किया गया, निजी कार्य कराया जा रहा है। छात्रों का कहना है कि कुलसचिव ने धमकाया है। वार्डन ने प्रताड़ित किया। मामला रविवि के शहीद चंद्रशेखर आजाद छात्रावास का है।इस दौरान छात्रों ने हॉस्टल में रहने के बजाय पं. रविशंकर शुक्ल की प्रतिमा के नीचे ही पूरी रात बिताई। वार्डन कमलेश शुक्ला पर एफआईआर और कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़े हैं। आजाद छात्रावास के छात्रों ने रविवि की प्रिवेंस कमेटी के अध्यक्ष, सांसद और मंत्री सहित अन्य लोगों को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि छात्रावास अधीक्षक और बायोटेक्निक विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश शुक्ला छात्रों को प्रताड़ित किया है। छात्रों का आरोप है कि कुलसचिव शैलेंद्र पटेल और अधीक्षक कमलेश शुक्ला की दोस्ती है। इसी का हवाला देकर वार्डन धमकाता है। इसके अलावा पत्र में लिखा गया है कि छात्रावास में विराजित गणेश भगवान की संध्या आरती के बाद 9 सितंबर को कुलसचिव ने भी धमकाया। उनके जाने के बाद अधीक्षक ने पावर देखे जाने की बात कहकर ताना मारा गया।प्रोफेसर कमलेश शुक्ला को पद से हटाए जाने की मांग विद्यार्थियों ने की थी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्शन लेते हुए जांच बैठाई है। प्रोफेसर शुक्ला को पद से भी हटा दिया गया है, लेकिन छात्र इस कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। छात्रों का कहना है कि बीते 3 माह तक उनका जिस तरह से शारीरिक और मानसिक शोषण हुआ है, उसके आधार पर छात्रावास अधीक्षक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई किए जाने के साथ ही एफआईआर भी होनी चाहिए।

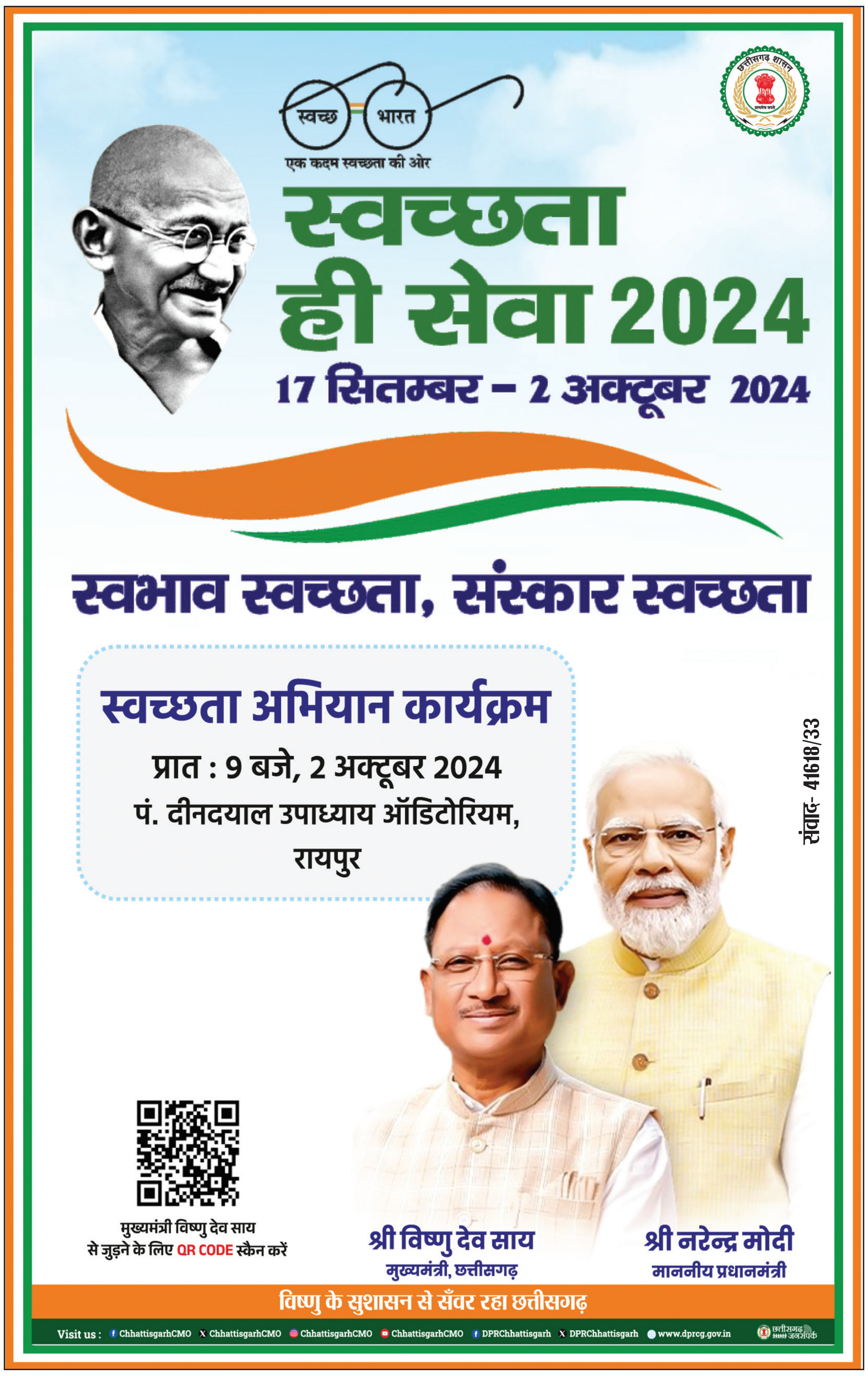

जन आंदोलन के रूप में बढ़ रहा है स्वच्छता अभियान : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में हुए शामिल

रायपुर » दैनन्दिनी.

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव मंगलवार को रायपुर के जे.आर. दानी स्कूल में स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छात्राओं को स्वच्छता बनाए रखने और इसके बारे में लोगों को जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने शहर के स्वच्छता कर्मियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित शिविर का भी जायजा लिया। साव ने कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों की विजेता छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। उन्होंने सफाई कर्मियों को किट भी वितरित किए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, जिला प्रशासन और रायपुर नगर निगम

द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में सांसद बृजमोहन अग्रवाल और विधायक पुरंदर मिश्रा भी शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने मुख्य अतिथि के रूप में स्वच्छता की पाठशाला-सह-सफाई मित्र सुरक्षा शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता अभियान ने पिछले दस वर्षों में जन आंदोलन का रूप ले लिया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 15 अगस्त 2014 को लाल किले की प्राचीर से स्वच्छ भारत मिशन के आह्वान के बाद देश में स्वच्छता के प्रति काफी जागरूकता आई है। इससे हमारा परिवेश स्वच्छ और सुंदर होने के साथ ही बीमारियों में भी कमी आ रही है। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि स्वच्छता परंपरागत रूप से हमारे स्वभाव और संस्कार में रहा है। विगत 17 सितम्बर से प्रारंभ 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़ा के तहत 'स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता' की थीम पर साफ-सफाई के बारे में लोगों को जागरूक करने और जन भागीदारी बढ़ाने विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि स्कूली छात्र-छात्राओं, युवाओं, नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को स्वच्छता के कार्यों से जोड़ने आज प्रदेशभर के 1800 स्कूलों, 105 कॉलेजों तथा 45 आईटीआई व इंजीनियरिंग कॉलेजों में करीब पांच लाख लोगों को शपथ दिलाई जा रही है। साव ने आज कार्यक्रम स्थल में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में अपनी चेस्ट की स्क्रीनिंग के साथ शुगर और बीपी की भी जांच कराई। नगरीय

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

- TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

संपर्क- शेखर गुप्ता मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- **dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com**